संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 342-शुक्रवार 17- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पंजाब डीआईजी की चंडीगढ़ कोठी से 5 करोड़ मिले

3 बैग-1 अटैची में भरे थे नोट,सीबीआई को 15 प्रॉपर्टी-लग्जरी गाड़ियों का भी पता चला

चंडीगढ़,16 अक्टूबर 2025। केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को रिश्वत केस में गिरफ्तार किया है। डीआईजी ने बिचौलिए के जरिए फतेहगढ़ साहिब में मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी से 8 लाख की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत न देने पर उसके 2 साल पहले सरहिंद में दर्ज पुराने केस में चार्जशीट पेश करने और नए फर्जी केस दर्ज करने की धमकी दी गई। कारोबारी ने इसकी शिकायत सीबीआई को कर दी। सीबीआई ने जांच के बाद ट्रैप लगा गुरुवार को डीआईजी को अरेस्ट कर लिया। इसके बाद दिल्ली और चंडीगढ़ से आई सीबीआई की करीब 52 लोगों की टीम ने उनके मोहाली ऑफिस और चंडीगढ़ के सेक्टर 40 की कोठी को खंगाला। उनकी कोठी से 5 करोड़ का कैश मिला। जो 3 बैग और 1 अटैची में भरा हुआ था। इससे गिनने के लिए सीबीआई की टीम को नोट गिनने वाली मशीन मंगवानी पड़ी। इसके अलावा भारी मात्रा में गहने भी मिले। सीबीआई को डीआईजी की 15 प्रॉपर्टी और लग्जरी गाड़ियों के डॉक्यूमेंट्स भी मिले है। डीआईजी की चंडीगढ़ कोठी में सीबीआई की टीमें अभी भी जांच कर रही हैं। भुल्लर को मोहाली स्थित डीआईजी ऑफिस से पकड़ने की सूचना है लेकिन अभी तक जांच एजेंसी ने औपचारिक पुष्टि नहीं की है। डीआईजी पर दर्ज स्नढ्ढक्रकी कॉपी भी सामने आई है। जिसमें स्क्रैप कारोबारी आकाश बत्ता ने आरोप लगाया कि डीआईजी ने उसे ऑफिस बुलाकर गुस्से में फटकारा। डीआईजी ने बिचौलिए कृष्नु के जरिए उससे बार-बार रिश्वत मांगी।

अमेरिका समेत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भारत की वार्ता जारी : गोयल

नई दिल्ली,16 अक्टूबर 2025। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत ने कई विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू किए हैं। भारत इस समय अमेरिका,ओमान एवं यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ ऐसे ही समझौतों के लिए सक्रिय बातचीत कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली के एक होटल में भारत-ब्राजील व्यापार वार्ता को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि तथा ब्राजील के साथ गहरी होती द्विपक्षीय साझेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि ब्राजील के साथ भी उन्होंने तरजीही व्यापार समझौते को वर्तमान स्तर से आगे बढ़ाने पर चर्चा की है, ताकि भविष्य में हम दक्षिण अमेरिकी बाजार में बड़े पैमाने पर प्रवेश कर सकें। गोयल ने इस अवसर पर संवाददाताओं से कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया,संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ एफटीए लागू किए हैं। इसके अलावा ब्रिटेन के साथ एक व्यापार समझौता किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने पिछले तीन साल में कई विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। हम अमेरिका,यूरोपीय संघ, चिली,पेरू,न्यूज़ीलैंड और ओमान के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारत निवेश और द्विपक्षीय व्यापार दोनों के लिए एक पसंदीदा और पसंदीदा गंतव्य है। इससे पहले ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन,रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-ब्राजील व्यापार वार्ता को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्रप्रदेश में 13,430 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास किया

21 वीं सदी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की होगी,आज दुनिया हमें मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही : पीएम मोदी

नंदयाल/कुर्नूल,16 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आंध्रप्रदेश के कुर्नूल में 13,430 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे तब भारत 'विकसित भारत' बन चुका होगा। मैं दावे से कहता हूं कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की,140 करोड़ हिंदुस्तानियों की सदी होने वाली है। आज दुनिया,भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है,आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है। इसके पहले मोदी नांदयाल पहुंचे। मोदी ने यहां श्रीशैलम में भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में दर्शन,पूजा और ध्यान किया। ये मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों और 52 शक्तिपीठों में शामिल है। यह एकमात्र मंदिर है, जहां ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ दोनों है। इसके बाद पीएम मोदी श्रीशैलम में श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र पहुंचे और वहां पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि आज 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में आंध्र प्रदेश की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा,2047 के विकसित भारत के संकल्प को 'स्वर्ण आंध्रा' के लक्ष्य से नई ऊर्जा मिल रही है। तकनीक और नवाचार में आंध्र प्रदेश और उसके युवा हमेशा अग्रणी रहे हैं। डबल इंजन की सरकार के तहत हम

मोदी ने शिवाजी स्फूर्ति केंद्र में पूजा-अर्चना की

पीएम मोदी श्रीशैलम में श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र भी पहुंचे। वहां पूजा-अर्चना की। यह एक मेमोरियल कॉम्प्लेक्स है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू भी साथ थे। यहां मेडिटेशन हॉल है, जिसके चारों कोनों पर चार मशहूर किलों, प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी के मॉडल बने हैं। इसके बीच में छत्रपति शिवाजी महाराज की ध्यान की मुद्रा वाली मूर्ति भी है।

इस क्षमता को और सशक्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि गूगल आंध्र प्रदेश में भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हब स्थापित करने जा रहा है। यह निवेश न केवल राज्य बल्कि पूरे भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर है। मोदी ने बताया,गूगल का यह एआई हब विशाखापत्तनम को वैश्विक एआई और कनेक्टिविटी केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। इसमें शक्तिशाली एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर,डेटा सेंटर,ऊर्जा स्रोत और अंतरराष्ट्रीय सबसी केबल नेटवर्क शामिल होंगे,जो भारत के पूर्वी तट से जुड़ेंगे। उन्होंने इसके लिए आंध्र प्रदेश के लोगों और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की दूरदर्शिता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के विकास के लिए आंध्र प्रदेश का विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा,आंध्र के विकास के लिए रायलसीमा का विकास भी उतना ही जरूरी है। आज कुरनूल की भूमि पर शुरू हुए प्रोजेक्ट्स रायलसीमा के हर जिले में रोजगार और समृद्धि के नए द्वार खोलेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार अर्वकल और कोप्पर्थी को आंध्र प्रदेश की नई औद्योगिक पहचान के रूप में विकसित कर रही है। इन औद्योगिक कॉरिडोरों से निवेश बढ़ेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि निम्मलुरु में एडवांस्ड नाइट विजन प्रोडक्ट्स फैक्टरी का शुभारंभ भारत की रक्षा क्षमताओं को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। यहां नाइट विजन उपकरण, मिसाइल सेंसर और ड्रोन गार्ड सिस्टम तैयार किए जाएंगे,जिससे भारत रक्षा उत्पादन और निर्यात दोनों में आत्मनिर्भर बनेगा। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेना ने पूरी दुनिया को भारत में बने आधुनिक उपकरणों की शक्ति दिखाई। मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी ड्रोन,नाइट विजन और रक्षा तकनीक ने जो सफलता हासिल की,उस पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। इससे साबित हुआ कि आत्मनिर्भर भारत की नीति केवल नारा नहीं,बल्कि भारत की वास्तविक ताकत बन चुकी है। उन्होंने आंध्र प्रदेश की सरकार के कुरनूल को भारत का ड्रोन हब बनाने के संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी भविष्य की औद्योगिक क्रांति की रीढ़ बनने वाली है। प्रधानमंत्री ने कहा,ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय ड्रोन की भूमिका ने पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया। आने वाले समय में कुरनूल ड्रोन सेक्टर में देश की ताकत बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का विजन नागरिक केंद्रित विकास पर आधारित है। उन्होंने कहा,हम लगातार सुधारों के जरिए नागरिकों के जीवन को आसान बना रहे हैं। अब 12 लाख रुपये तक की आय टैक्स फ्री है। सस्ती दवाइयां, सस्ता इलाज और आयुष्मान जैसी योजनाएं नागरिकों के जीवन में नई सहजता ला रही हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से जीएसटी में भारी कटौती की गई है और आंध्र प्रदेश में लोग जीएसटी बचत उत्सव मना रहे हैं।

राजस्थान के बालोतरा में सड़क हादसा,चार की मौत

बालोतरा,16 अक्टूबर 2025। बालोतरा जिले में सिणधरी थाना क्षेत्र के सड़ा गांव में मेगा हाइवे पर हुए सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई,जबकि एक युवक की हालत गंभीर है। यह हादसा बुधवार आधीरात बाद करीब 1:30 बजे हुआ। यह हादसा ट्रेलर और स्कॉर्पियो में टक्कर से हुआ। दोनों वाहनों में आग लग गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग की लपटों से घिरी स्कॉर्पियो में सवार युवकों को बाहर निकालने की कोशिश की पर कामयाब नहीं हो पाए। हाइवे पर करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। पुलिस और दमकल टीम के पहुंचने के बाद दोनों वाहनों को हटाकर यातायात बहाल किया गया। पुलिस के अनुसार,गुड़ामालानी (बाड़मेर) के डाबड़ गांव निवासी पांच दोस्त काम से सिणधरी गए थे। वहां से लौटते समय यह हादसा हुआ। मृतकों की

पहचान मोहनसिंह (35) पुत्र धूड़सिंह, शम्भूसिंह (20) पुत्र दीपसिंह, पांचाराम (22) पुत्र लुम्बाराम और प्रकाश (28) पुत्र सांपाराम के रूप में हुई है। वहीं स्कॉर्पियो चालक दिलीप सिंह गंभीर रूप से झुलस गया है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा उनके घर से महज 30 किलोमीटर पहले हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर चालक ने जान जोखिम में डालते हुए स्कॉर्पियो के चालक को बाहर खींचने की कोशिश की और वह इसमें सफल रहा। झुलसे युवक को सिणधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,जहां से उसे गंभीर हालत में जोधपुर रेफर किया गया। जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव,पुलिस अधीक्षक रमेश,अतिरिक्त जिला कलेक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान,डिप्टी नीरज शर्मा,उपखंड अधिकारी समंदर सिंह भाटी,मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी वाकाराम चौधरी सहित परिवहन अधिकारी व प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। आरजीटी कंपनी और नगर परिषद की फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

चुनौतियों के बावजूद रायचूर विकास की आकांक्षा के साथ बढ़ रहा आगे : सीतारमण

नई दिल्ली,16 अक्टूबर 2025। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि रायचूर विभिन्न चुनौतियों के बावजूद विकास की आकांक्षा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य के उत्तरी भाग में कल्याण कर्नाटक के क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहा है। वित्त मंत्री ने कर्नाटक के रायचूर जिले के जवालगेरा गांव में किसान प्रशिक्षण एवं सामान्य सुविधा केंद्र का उद्घाटन करने के बाद किसानों को कृषि आय बढ़ाने के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। सीतारमण कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए मृदा स्वास्थ्य कार्ड,उर्वरक,वित्तीय सहायता और खाद्यान्नों एवं दालों के लिए बढ़े हुए एमएसपी जैसी पहलों पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने इस जिले के जवालगेरा गांव में कृषि प्रसंस्करण के लिए एक किसान प्रशिक्षण और साझा सुविधा केंद्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि इसी तरह के केंद्र सात जिलों में स्थापित किए जाएंगे।

बिहार विस चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची

नई दिल्ली,16 अक्टूबर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 40 नेताओं के नाम शामिल हैं। स्टार प्रचारकों में अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा,नितिन गडकरी,धर्मेन्द्र प्रधान,महामंत्री विनोद तावड़े,दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जैसे दिग्गजों के साथ भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह,रवि किशन और दिनेशलाल यादव 'निरहुआ' को भी शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त इस सूची में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा,मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, स्मृति ईरानी के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का नाम भी स्टार प्रचारकों में है।

गुजरात में भूपेंद्र सरकार के सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा

आज नई कैबिनेट की शपथ,नए चेहरों पर फोकस,दो डिप्टी सीएम हो सकते हैं...

गांधीनगर,16 अक्टूबर 2025। गुजरात में सीएम भूपेंद्र पटेल कैबिनेट के सभी 16 मंत्रियों ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। कल गांधीनगर में सुबह 11.30 बजे नई कैबिनेट की शपथ होगी। इस फेरबदल को राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी से जोड़ा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मंत्रिमंडल में नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं,2 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं। गुजरात कैबिनेट में सीएम समेत 17 मंत्री थे, जिसमें 8 कैबिनेट और 8 राज्य मंत्री थे। अब यह संख्या बढ़कर 22-23 हो सकती है। कांग्रेस से भाजपा में आए विधायक

भी मंत्री बन सकते हैं। गुजरात विधानसभा में 182 विधायक हैं। कुल संख्या के 15% की अधिकतम सीमा के लिहाज से सीएम समेत कुल 27 मंत्री हो सकते हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मौजूदा सरकार के ज्यादातर मंत्री भाजपा आलाकमान की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। इसके अलावा,हाल ही में हुए विसावदर विधानसभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के कैंपेन के बावजूद भाजपा आप के गोपाल इटालिया को हरा नहीं पाई थी। नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के बाद से गुजरात सरकार में लगातार बदलाव हुए हैं। आनंदीबेन पटेल और विजय रूपाणी सरकारों के अचानक इस्तीफे और अब मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सरकार में बदलाव।

प्रत्यर्पण प्रक्रिया सुगम बनाने के लिए राज्य सरकारें भगोड़े अपराधियों का विशेष सेल स्थापित करें : अमित शाह

नई दिल्ली,16 अक्टूबर 2025। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सभी राज्य सरकारों से अपील की कि वे अपने-अपने राज्य की राजधानी में भगोड़े अपराधियों के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ (स्पेशल सेल) स्थापित करें,ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपराधियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को सुचारू और प्रभावी बनाया जा सके। शाह ने कहा कि ऐसे प्रकोष्ठ की उपलब्धता नहीं होने से कई बार विदेशी न्यायालयों में भारत की ओर से पेश किए जाने वाले प्रत्यर्पण मामलों में मानवाधिकार और कारागार स्थितियों जैसे बहाने सामने आते हैं,जिससे प्रक्रिया जटिल हो जाती है। वे यहां गुरुवार को आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के 'भगोड़े अपराधियों का प्रत्यर्पण-चुनौतियां और रणनीतियां' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा किया गया है,जिसमें केंद्र और राज्य स्तर की विभिन्न जांच एवं सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी शामिल हुए। अमित शाह ने कहा कि भारत में अब एक संस्थागत और संगठित तंत्र की आवश्यकता है,जो भगोड़े अपराधियों की खोज,गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण की दिशा में ठोस कार्य करे। उन्होंने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

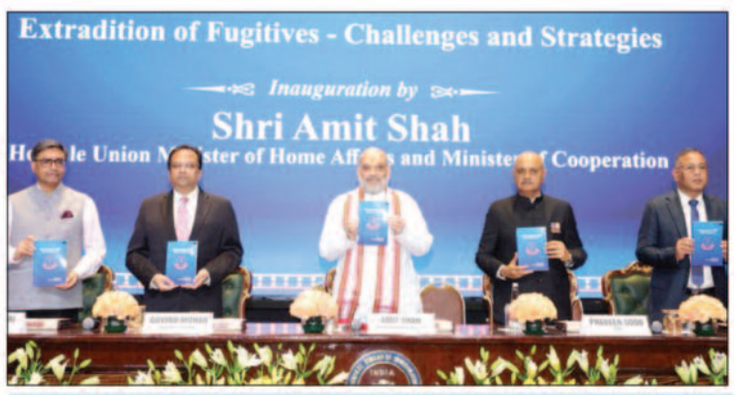

किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी होते ही उसका पासपोर्ट तुरंत जब्त या रद्द कर देना चाहिए : शाह

गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी होते ही उसका पासपोर्ट तुरंत जब्त या रद्द कर देना चाहिए ताकि वह देश छोड़ कर भाग न सके। उन्होंने कहा कि यदि पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में ही यह व्यवस्था जोड़ दी जाए तो भगोड़ों को वापस लाने में बहुत मदद मिलेगी। अमित शाह ने कहा कि भगोड़ों का एक वैज्ञानिक डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जिसे सभी राज्य पुलिस बलों के साथ साझा किया जा सके। इस भंडार में यह विवरण होना चाहिए कि भगोड़ा किस अपराध में फरार हुआ,उसका नेटवर्क कहां-कहां है और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया किस चरण में रुकी है। उन्होंने सुझाव दिया कि नार्को, गैंगस्टर, वित्तीय और साइबर अपराधों के मामलों के लिए एक फोकस ग्रुप बनाया जाए, जिसे गुप्तचर ब्यूरो (आईबी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मार्गदर्शन में मल्टी एजेंसी सेंटर के माध्यम से संचालित किया जाए।

नेतृत्व में भ्रष्टाचार,अपराध और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ मजबूती से आगे बढ़ रहा है। लेकिन हमें उन अपराधियों के खिलाफ भी उतनी ही सख्ती दिखानी होगी जो विदेशों में बैठकर भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि भारत में लंबे समय से भगोड़े अपराधियों के प्रत्यर्पण के मामले में संगठित प्रयास और स्पष्ट रोडमैप का अभाव रहा है। उन्होंने कहा कि प्रक्रियाएं तो थीं लेकिन उनमें समन्वय और साझा दृष्टिकोण की कमी थी। अब यह सम्मेलन उस दिशा में नई शुरुआत है। शाह ने सभी राज्यों से कहा कि वे अपने यहां भगोड़े अपराधियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कारागार प्रकोष्ठ बनाएं। विदेशी न्यायालयों में कई बार अपराधी यह दलील देते हैं कि भारतीय जेलों की स्थिति मानक के अनुरूप नहीं है।

शाह ने कहा कि भले ही यह बहाना हो लेकिन इसे समाप्त करने के लिए हमें हर राज्य में ऐसा प्रकोष्ठ बनाना चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करता हो। गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 355 और 356 में अनुपस्थिति में मुकदमा (ट्रायल इन एब्सेंशिया) का जो प्रावधान किया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की बढ़ती स्वदेशी शक्ति का ज्वलंत प्रमाण है : राजनाथ सिंह

मुंबई,16 अक्टूबर 2025। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की बढ़ती स्वदेशी शक्ति का एक ज्वलंत प्रमाण है,जो देश में आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के सरकार के अथक प्रयासों से प्राप्त हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को विश्वास और दृढ़ता जैसे गुणों के महत्व समझा रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि जब सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना शुरू किया, तो आरंभ में यह कठिन लग रहा था,लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में घरेलू रक्षा विनिर्माण के विस्तार में कोई कसर न छोड़ते हुए पूरी कोशिश की गई। इसी संकल्प के कारण सकारात्मक परिणाम मिलने लगे। उन्होंने कहा कि हमने रक्षा क्षेत्र में बदलाव का संकल्प लिया है क्योंकि देश की स्वतंत्रता के बाद से ही हम हथियारों के लिए

दूसरे देशों पर बहुत अधिक निर्भर रहे हैं। हम हथियार खरीदने के आदी हो गए थे क्योंकि हमारे पास भारत में निर्माण करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी और हमारे पास रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने संबंधी क़ानून भी नहीं थे। इसमें बदलाव की आवश्यकता थी। अब हमारा संकल्प है कि भारत अपने सैनिकों के लिए स्वदेश में निर्मित हथियार बनाए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने हमारे सैनिकों की वीरता देखी। उन्होंने कहा कि निर्धारित व्यापक लक्ष्य देश में निर्मित रक्षा उपकरणों के उपयोग से ही हासिल किया है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सालाना रक्षा उत्पादन 46 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड डेढ़ लाख करोड़ रुपये का हो गया है, जिसमें निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 33 हजार करोड़ रुपये का है। उन्होंने वर्ष 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा विनिर्माण लक्ष्य और 50 हजार करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य हासिल होने का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक उपलब्धियों से आगे बढ़कर सृजनकर्ता,नवोन्मेषक और राष्ट्रीय विकास में योगदानकर्ता बनने का आह्वान किया।

संपादकीय

विकास दर की लय

जिस अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर पश्चिमी शक्तियों के मंसूबों के अनुरूप सुर में सुर मिलाने का आक्षेप लगता रहा है,यदि वह अब भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर दर्शाए तो इसे हम अपनी आर्थिकी की ताकत के रूप में देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ ने वर्ष 2025-26 के लिये भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 कर दिया है। इस नवीनतम अपडेट से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में देश की स्थिति और मजबूत हुई है। दरअसल,अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह संशोधन लचीली घरेलू खपत,मजबूत सेवा निर्यात और स्थिर सार्वजनिक निवेश के दृष्टिगत किया है। यह सुखद ही कहा जाएगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने और भारी-भरकम टैरिफ का कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर दृष्टिगोचर नहीं होता है। लेकिन इस आशावाद के बावजूद हमें अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य की वास्तविकता का भी ध्यान रखना चाहिए। जिसके मूल में तमाम व्यापारिक व्यवधान,अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और सख्त वित्तीय स्थितियों जैसे घटक भी शामिल हो सकते हैं। जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से कहीं न कहीं भारत की आर्थिक गति को प्रभावित कर सकते हैं। निर्विवाद रूप से भारत की अर्थव्यवस्था में आईएमएफ का भरोसा, मजबूत भारतीय घरेलू बाजार,राजकोषीय अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के उद्देश्य से किए गए सुधारात्मक उपायों के चलते जगा है। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे पर खर्च, डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहन और बेहतर कर संग्रह ने व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत ही किया है। हालांकि निर्यात,विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र, संरक्षणवादी नीतियों और कमजोर वैश्विक मांग के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर चीन की मंदी और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संतुलन के साथ,भारत के सामने चुनौती और अवसर दोनों ही मौजूद हैं। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह वैश्विक व्यापार में संतुलन बनाते हुए आत्मनिर्भरता की राह में कदम आगे बढ़ाए।

इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि केंद्र सरकार ने अर्थव्यवस्था की मौजूदा चुनौती को महसूस करते हुए 'मेक इन इंडिया' की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास एक आंदोलन के रूप में किया है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत विनिर्माण पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसमें केंद्र सरकार की प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, सेमीकंडक्टर और हरित प्रौद्योगिकियों के लिये लक्षित प्रोत्साहनों को बढ़ावा देना है। निस्संदेह ये प्रयास कालांतर देश के औद्योगिक आधार को व्यापक रूप से मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। लेकिन सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि हम अल्पकालिक लक्ष्यों के बजाय दीर्घकालीन जरूरतों को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसके लिये जरूरी है कि श्रम बाजार, भूमि अधिग्रहण में सुधार और व्यापार में कामकाज को आसानी को बढ़ावा दें। निस्संदेह,इन क्षेत्रों में गहन संरचनात्मक सुधारों की सख्त आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की भी होनी चाहिए। महंगाई के बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति प्रभावित होती है, जिससे मांग व पूर्ति का संतुलन बिगड़ता है। वहीं दूसरी ओर कृषि उत्पादकता और रोजगार सृजन को भी नीतिगत एजेंडे के केंद्र में रखना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि आज भारत की आर्थिक सफलता की कहानी हमारे सतर्क आत्मविश्वास की परिणति है। देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन ने इसे कई बाहरी झटकों से बचाया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर हमारी आत्मसंतुष्टि इस लाभ को कम सकती है। इसके अलावा दीर्घकालिक स्थिरता के लिये, भारत सरकार को राजकोषीय विवेक बनाए रखना होगा। वहीं दूसरी तरफ मानव पूंजी,उत्पादकता और नवाचार में निवेश को बढ़ाना होगा।

सिनेमा को मनोरंजन का सशक्त माध्यम माना जाता है,फिल्म जीवन के यथार्थ,लोगों की पीड़ा और सच्चाई...

विजय गर्ग

सिनेमा को मनोरंजन का सशक्त माध्यम माना जाता है। लेकिन,मनोरंजन का आशय सिर्फ मन बहलाव नहीं होता। प्रेम कहानियों,नाच-गाने और मारधाड़ के बाद फिल्म का सुखांत ही मनोरंजन नहीं होता। जीवन के यथार्थ,लोगों की पीड़ा और सच्चाई से रूबरू होना भी मनोरंजन का अहम हिस्सा है। सच दिखाने वाली फिल्मों की कहानियां ख़ास इसीलिए होती हैं, साथ ही ये अपनी या अपने आसपास की लगती हैं। इन फिल्मों में शोषण,अंधविश्वास और पाखंड पर चोट, महिलाओं पर अत्याचार,भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दे दिखाई देते हैं। लेकिन, धीरे-धीरे सच दिखाने वाली ये फ़िल्में परदे से लोप हो गईं। समानांतर सिनेमा जीवन का यथार्थ बहुत गहराई से दिखाता रहा है। यह हिंदी सिनेमा का वह पक्ष है,जिसमें आम आदमी के जीवन की जद्दोजहद, असमानता और बदलाव को सही ढंग से दर्शाया जाता है। ऐसे सिनेमा को 'आर्ट सिनेमा' या 'नया सिनेमा' नाम भी दिया गया। फिल्मों के कथानक का यह चलन 1950 के दशक में पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ और बाद में इसे हिंदी समेत हर भाषा के सिनेमा ने अपनाया। इसका मकसद जीवन के कठोर यथार्थ, समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों,महिलाओं और गरीबों की समस्याओं को सामने लाना रहा, जिससे दर्शक खुद को जुड़ा महसूस करे। इसकी यथार्थ परक कहानियां आम लोगों की जिंदगी से जुड़ी होती हैं। मसलन गरीबी, बेरोजगारी, जातिगत भेदभाव, और स्त्री-पुरुष संबंध। ये फिल्में वास्तविक लोकेशनों पर शूट की जाती हैं और संवाद व किरदार स्वाभाविक होते हैं। ऐसी फिल्मों का निर्माण भी वास्तविक होता है।

श्याम बेनेगल की फ़िल्में अंकुर,मंथन और भूमिका,मणि कौल की 'उसकी रोटी' और 'दुविधा' के अलावा सत्यजीत रे की 'पाथेर पांचाली' के साथ मृणाल सेन,ऋत्विक घटक जैसे निर्देशक इस आंदोलन के अग्रणी रहे। इनकी फिल्मों में व्यावसायिकता की बजाय कलात्मकता, गहराई और सामाजिक प्रतिरोध देखने को मिलता है। पर, आज ऐसा सिनेमा लुप्त होने लगा। बरसों से ऐसी कोई फिल्म नजर ही नहीं आई। ऐसी फ़िल्में जीवन का यथार्थ दिखाती है जैसे 'अंकुर' खेतिहरों और गरीब तबके की ज़िंदगी की सच्चाई दिखाती है। 'उसकी रोटी' और 'माया दर्पण' ग्रामीण भारत की समस्याओं को संवेदनशीलता से प्रस्तुत करती हैं। वास्तव में समानांतर सिनेमा ने ही गंभीर दर्शकों को फिल्मों के ज़रिए आम आदमी की पीड़ा को लेकर सोचने पर मजबूर किया। महिलाओं और वंचित वर्गों की भूमिका, विद्रोह और स्वतंत्र पहचान को संवेदनशील तरीके से उजागर किया गया। समानांतर सिनेमा का मकसद दर्शक को यथार्थ के करीब लाना और सांस्कृतिक-सामाजिक बदलाव की चेतना को जगाना रहा है।

इन फिल्मों के किरदार और कथानक वास्तविक

इन फिल्मों में किरदार और कथानक बहुत वास्तविक व स्वाभाविक होते हैं। इसमें गैर-पेशेवर कलाकार होते हैं। समाज की सच्चाइयों को विषय वस्तु बनाकर, बदलाव और सवाल उठाए जाते हैं। नारी सशक्तिकरण, जातिवाद, अशिक्षा, शहरी-ग्रामीण भेद, आर्थिक विषमताएं ऐसे मुद्दे समानांतर सिनेमा की पहचान रहे हैं। सादगीपूर्ण कला निर्देशन, प्राकृतिक प्रकाश, लंबे शॉट्स, और धीमी गति की कहानी। सत्यजीत रे, मृणाल सेन, ऋत्विक घटक, श्याम बेनेगल जैसे निर्माता-निर्देशकों ने इस धारा को स्थापित किया।

चिकित्सा के देवता माने जाते हैं भगवान धन्वन्तरि

रमेश सर्राफ धमोरा

धन्वन्तरि को हिन्दू धर्म में देवताओं के वैद्य माना जाता है। ये एक महान चिकित्सक थे जिन्हें देव पद प्राप्त हुआ। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ये भगवान विष्णु के अवतार समझे जाते हैं। इनका पृथ्वी लोक में अवतरण त्रयोदशी के दिन हुआ था। इसीलिये दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धन्वन्तरि का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन इन्होंने आयुर्वेद का भी प्रादुर्भाव किया था। इन्हें भगवान विष्णु का रूप कहते हैं जिनकी चार भुजायें हैं। उपर की दोंनों भुजाओं में शंख और चक्र धारण किये हुये हैं। जबकि दो अन्य भुजाओं मे से एक में औषध तथा दूसरे मे अमृत कलश लिये हुये हैं। आयुर्वेद चिकित्सा करनें वाले वैद्य इन्हे आरोग्य का देवता कहते हैं। इन्होंने ही अमृतमय औषधियों की खोज की थी। इनके वंश में दिवोदास हुए जिन्होंने शल्य चिकित्सा का विश्व का पहला विद्यालय काशी में स्थापित किया था। जिसके प्रधानाचार्य सुश्रुत बनाये गए थे। सुश्रुत दिवोदास के ही शिष्य और ऋषि विश्वामित्र के पुत्र थे। उन्होंने ही सुश्रुत संहिता लिखी थी। सुश्रुत विश्व के पहले शल्य चिकित्सक थे। दीपावली के अवसर पर कार्तिक त्रयोदशी-धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की पूजा करते हैं। कहते हैं कि शंकर ने विषपान किया। धन्वंतरि ने अमृत प्रदान किया और इस प्रकार काशी कालजयी नगरी बन गयी। आयुर्वेद के सम्बन्ध में सुश्रुत का मत था कि ब्रह्माजी ने पहली बार एक लाख श्लोक के आयुर्वेद का प्रकाशन किया था। जिसमें एक सहस्र अध्याय थे। उनसे प्रजापति ने पढ़ा तदुपरांत उनसे अश्विनी कुमारों ने पढ़ा और उन से इन्द्र ने पढ़ा। इन्द्रदेव से धन्वंतरि ने पढ़ा और उन्हें सुन कर सुश्रुत मुनि ने आयुर्वेद की रचना की। इसके उपरान्त अग्निवेश तथा अन्य शिष्यों के तन्त्रों को संकलित तथा प्रतिसंस्कृत कर चरक द्वारा चरक संहिता के निर्माण का भी आख्यान है। धन्वन्तरि देवताओं के वैद्य और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं। इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि एक बार यमराज ने यमदूतों से पूछा कि प्राणियों को मृत्यु की गोद में सुलाते समय तुम्हारे मन में कभी दया का भाव नहीं आता क्या। दूतों ने यमदेवता के भय से पहले तो कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाते है और उनकी आज्ञा का पालन करते हैं। परन्तु जब यमराज ने दूतों के मन का भय दूर कर दिया तो उन्होंने कहा कि एक बार राजा हेमा के ब्रह्मचारी पुत्र का प्राण लेते समय उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर हमारा हृदय भी पसीज गया था। लेकिन विधि के विधान के अनुसार हम चाह कर भी कुछ न कर सके। हमारे देश में सर्वाधिक धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहार दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। इसी दिन से घरों की लिपाई-पुताई प्रारम्भ कर देते हैं। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन ही भगवान धन्वन्तरि का जन्म हुआ था। इसलिए इस तिथि को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धन्वन्तरि जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथो में अमृत से भरा कलश था। भगवान धन्वन्तरि पीतल का कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं।

दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं। एक दूत ने बातों ही बातों में तब यमराज से प्रश्न किया कि अकाल मृत्यु से बचने का कोई उपाय है क्या। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए यम देवता ने कहा कि जो प्राणी धनतेरस की शाम यम के नाम पर दक्षिण दिशा में दीया जलाकर रखता है उसकी

अकाल मृत्यु नहीं होती है। इस मान्यता के अनुसार धनतेरस की शाम लोग आंगन में यम देवता के नाम पर दीप जलाकर रखते हैं। महाभारत तथा पुराणों में विष्णु के अंश के रुप में उनका उल्लेख प्राप्त होता है। उनका प्रादुर्भाव समुद्रमंथन के बाद निर्गत कलश से अण्ड के रुप मे हुआ। समुद्र के निकलने के बाद उन्होंने भगवान विष्णु से कहा कि लोक में मेरा स्थान और भाग निश्चित कर दें। इस पर विष्णु ने कहा कि यज्ञ का विभाग तो देवताओं में पहले ही हो चुका है। अतः यह अब संभव नहीं है। देवों के बाद आने के कारण तुम (देव) ईश्वर नहीं हो। अतः तुम्हें अगले जन्म में सिद्धियां प्राप्त होंगी और तुम लोक में प्रसिद्ध होगे। तुम्हें उसी शरीर से देवत्व प्राप्त होगा और द्विजातिगण तुम्हारी सभी तरह से पूजा करेंगे। तुम आयुर्वेद का अष्टांग विभाजन भी करोगे। द्वितीय द्वापर युग में तुम पुनः जन्म लोगे इसमें कोई सन्देह नहीं है। इस वर के अनुसार पुत्रकाम काशीराज धन्व की तपस्या से प्रसन्न हो कर जब भगवान ने उसके पुत्र के रुप में जन्म लिया और धन्वंतरि नाम धारण किया। धन्व काशी नगरी के संस्थापक काश के पुत्र थे। वे सभी रोगों के निवराण में निष्णात थे। उन्होंने भरद्वाज से आयुर्वेद ग्रहण कर उसे अष्टांग में विभक्त कर अपने शिष्यों में बांट दिया। वैदिक काल में जो महत्व और स्थान अश्विनी को प्राप्त था वही पौराणिक काल में धन्वंतरि को प्राप्त हुआ। जहां अश्विनी के हाथ में मधुकलश था वहां धन्वंतरि को अमृत कलश मिला, क्योंकि विष्णु संसार की रक्षा करते हैं। इसीलिये रोगों से रक्षा करने वाले धन्वंतरि को विष्णु का अंश माना गया है।

खुशियों की दीपावली : मन की अंधियारी दूर करने का समय

दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं,बल्कि मन के अंधकार को मिटाने और आत्मा में उजाला भरने का अवसर है। आज यह जरूरी है कि हम इसे दिखावे या प्रदूषण का उत्सव न बनाएं,बल्कि सादगी,करुणा और प्रेम का पर्व बनाएं। जब हम दूसरों के जीवन में रोशनी बाँटते हैं,तभी सच्चा सुख और सुकून प्राप्त होता है। दीपावली का असली अर्थ है-हर मन में शांति, हर घर में प्रेम और हर समाज में समरसता का प्रकाश।

डॉ प्रियंका सौरभ

दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं,बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं,दीपक जलाते हैं,नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहरकर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है,केवल दीवारों और आँगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है? आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है। दीपावली अब अक्सर दिखावे,खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार ईर्ष्या, अहंकार,असंतोष और असहनशीलता को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झाँकें,संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाज़ार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है। दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए–पुरानी शिकायतें, मतभेद,कटुता और तनाव। हर दीपक यह याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है,बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान,एक क्षमा का भाव,एक प्रेमपूर्ण संवाद यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं। आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज़ भागदौड़,सामाजिक दबाव,कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्यौहारों को भी हमने एक इवेंट बना दिया है फोटोशूट,सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं,बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन,संवाद और आत्मीयता से मिलता है। आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियाँ ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव,हर बच्चा और हर बुजुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है। असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती माँ के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप,प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं-और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है। दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है-वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं,जो किसी प्रिय को खो चुके हैं,या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं–उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे। दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो। हमारे शास्त्र कहते हैं-तमसो मा ज्योतिर्गमय यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश जलता है,तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया,सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है। त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है,वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है। आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को समावेशिता का पर्व बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें, जाति-धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता–ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके–किसी गरीब को भोजन दे दे,किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे,किसी बीमार को सहारा दे – तो वही दीपावली सबसे उवल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा,दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे। दीपावली व्यापार का भी पर्व मानी जाती है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं। लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी,पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा। हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि दीपावली केवल संपन्नता का नहीं,संयम का भी प्रतीक है। इसलिए अत्यधिक उपभोग,दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि थोड़े में भी बहुत कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम,संतोष और एकता है,वहाँ हर दिन दीपावली है। आज जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प ले–कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा। कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का,कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा। कभी-कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएँ। आत्मचिंतन के कुछ क्षण,अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना,और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है। दीपावली का अर्थ केवल दीप नहीं, आवली अर्थात् श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुँचता है।

पर्यावरण प्रदूषण शुद्ध वायु और विकास में प्रतिद्वंदिता

संजीव ठाकुर

लीजिए फिर से शीतकाल आ गया और इस समय सभी महानगरों समेत मध्य क्रम के बड़े शहरों में भी पर्यावरण प्रदूषण अपने चरम पर होता है। बच्चे तथा बूढ़े इसके सर्वाधिक शिकार होते हैं और पर्यावरण प्रदूषण के कारण हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह क्रम हर वर्ष का है लेकिन ना तो आम जनता इसमें सावधानी बरतनी है और ना ही शासन प्रशासन,यह प्रक्रिया लगातार बदस्तूर जारी रहती है। आइये इसकी वर्तमान स्थिति और पर्यावरण प्रदूषण से बचने के उपायों पर चर्चा करने का प्रयास करते हैं। वर्तमान समय में पर्यावरण और वायु प्रदूषण का संकट भारत जैसे विकासशील देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती के रूप में खड़ा है। दिल्ली,मुंबई, कोलकाता,बेंगलुरु,चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे महानगर आज साँस लेने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। प्रदूषित हवा में नागरिकों की दिनचर्या घुटती जा रही है। दिल्ली,जो विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाती है, वहाँ PM2.5 का औसत स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ऊपर दर्ज किया गया है – जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा केवल 5 माइक्रोग्राम है। भारत में वायु प्रदूषण के कारण प्रतिवर्ष लगभग 15 लाख लोगों की मृत्यु होती है, जो किसी मौन महामारी से कम नहीं।

राजधानी दिल्ली की वायु में अब वह ठंडक नहीं रही जो कभी यमुना किनारे के पेड़ों की छाँव में महसूस होती थी। हवा में घुला धुआँ और धूल अब बच्चे के खेलते फेफड़ों तक पहुँच चुका है। शहरी नागरिक अस्थमा, एलर्जी, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। दिल्ली में अकेले 12 हज़ार से अधिक मौतें हर वर्ष वायु प्रदूषण से जुड़ी पाई गई हैं। यही नहीं, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में भी प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बेंगलुरु और हैदराबाद,जो कभी हरित नगर कहे जाते थे,अब यातायात और औद्योगिक विस्तार की वजह से धुएँ के बादलों में ढके रहते हैं। यह विडंबना है कि हमारे देश में पर्यावरण और राजनीति अब एक-दूसरे के विरोधी शब्द बन गए हैं। दिल्ली में प्रदूषण पर चर्चा संसद से लेकर सड़कों तक होती है, पर समाधान हाथ नहीं आता। केंद्र और राज्य सरकारें आरोप-प्रत्यारोप में उलझी हैं,जबकि हवा हर दल के मतदाताओं के फेफड़ों में समान रूप से प्रवेश कर रही है। यही स्थिति वैश्विक स्तर पर भी है – जहाँ जलवायु परिवर्तन को लेकर सैकड़ों घोषणाएँ होती हैं, पर धरातल पर वनीकरण और स्वच्छ ऊर्जा की गति बेहद धीमी है। आर्थिक विकास के नाम पर मनुष्य ने प्रकृति से जितना लिया, लौटाया बहुत कम। उद्योग, खनन, नदी बाँध और शहरीकरण ने धरती के संतुलन को तोड़ा। पर्वतों को काटा गया, नदियों को बाँधा गया, जंगलों को उजाड़ा गया – और अब वही प्रकृति अपने मौन प्रतिशोध में जलवायु परिवर्तन के रूप में खड़ी है।

छत्तीसगढ़ में गांवों वाली देवारी

मदन लाल मदवानी

सभ्यता, संस्कृति, इतिहास, विरासतें कला परंपराएं कभी गरीब नहीं होती ,वह अपने वर्तमान में सदैव अमीर ही रहता है । छत्तीसगढ़ का पर्व किसी मूर्ति ,फोटो फ्रेम ,चित्र में नहीं मानवीय चरित्र में झलकता है। कुछ वीआईपी कल्चर में जीने वाले लोगों को यहां की शिष्ट सभ्यता , विनोदमयता, निश्छल व्यवहार में गरीबी झलकता है। जिस कारण से वह मूल भावनाओं ,परंपराओं को आहत कर विकृति लाने में लगे रहते हैं। राष्ट्र और राज्य की पहचान उसकी किसी विशेषता के कारण होती है जो उन्हें अलग निर्धारित करती है । छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान होने के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रधान भी रही है। कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि मिले या ना मिले छत्तीसगढ़ के अंचलों में सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को अवश्य मिल जायेगी। यहां की सभ्यता संस्कृति कब ? कहां...? किसने...? क्यों...? जैसे शब्दों को स्थान नहीं देता। प्रथा और परंपराओं में पिरोए हुए माला की तरह है। गांवो में पूजा विधि - विधान का कोई विशेष प्रावधान नहीं होता,सामग्रियों की अनुपलब्धता कार्य बांधक नहीं होती। गांवों में वस्तुएं कुदरत की देन होती है। आठों काल,बारहों माह निज कार्यों में लगे हुए लोगों को सामग्री संग्रह करने की फुर्सत ही कहां मिल पाता है। एक उत्पादकता की भूमिका का निर्वहन करने में निरंतर लगे रहते हैं। यहां किसी भी त्यौहारी कार्यक्रम मेंड्ड ग्रह-नक्षत्र ,मुहूर्त , ग्रहण,योग लग्न,शुभ-अशुभ ,गुण-दोष का झमेला नहीं रहता। छत्तीसगढ़ में दिवाली बे-गम बेफिक्र निश्चिंत होता है। यह गांव के लोग अपने आप में संस्कृति के अशेष कलाकार होते हैं। भारत देश में दीपावली को भले ही पांच दिवसी पर्व मानते हो किंतु छत्तीसगढ़ में प्रमुख रूप से दो दिवसी पर्व ही है। यहां कामगारों के पास कोई देवी- देवता लक्ष्मी नहीं होता। उनके लिए जीवकोपार्जन की समस्त आवश्यकताओं की सामग्री लक्ष्मी है। जिनका कई रूप आकार प्रकार हो सकता है। धरा के गर्भ से उत्पन्न हुए अकूत संपदा का सेवा करना उनका धर्म है। ग्रामीण परिवेश को पर्व की साक्ष्य ,प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। छत्तीसगढ़ में दीपावली एक मनुष्य के साथ-साथ जीव-जंतु,पशु-पक्षी,पेड़-पौधे,धरती,जल,अग्नि,वायु, आकाश तत्व को सम्मान समर्पित करने का पर्व है । सृष्टि के समस्त जीव जंतु जड़ चेतन एक होकर उत्सव मनाते हैं । आइए छत्तीसगढ़ी परिवेश के मुताबिक इस पांच दिवसी दीपावली का वर्णन करते हैं। छत्तीसगढ़ में 5 दिनों तक दीपावली मनाने का कोई विधान नहीं मिलता । यहां दीपावली नहीं ड्डदेवारी तिहार मानते हैं । देवारी ड्डदेवी- देवताओं का आरी-पारी आगमन होने पर उनकी विभिन्न तरीकों से सेवा सत्कार किया जाना ड्डदेवारी है। प्रथम दिवस धनतेरस छत्तीसगढ़ में धनतेरस मनाने की कोई प्रथा नहीं था या नहीं के बराबर है। यह दिन उत्सव विहीन रिक्त रह जाता है। यह प्रथा व्यापारियों को उन्नत बनाने नए-नए सामग्रियों,सोने-चांदी का क्रय करने की परंपरा है जो छत्तीसगढ़ में धीरे-धीरे शुरू हुई है। अब गांव के लोग भी नवीन चीजों को खरीदने के बहाने इस पर्व से जुड़ने लगे हैं। दूसरा दिन नरक चतुर्दशी जिसे ड्डयम देवता से जोड़ा जाता है। इसका भी प्रभाव गांव में नहीं के बराबर ही मिलता है। तीसरा दिन जिसे पूरे भारत देश में दीपावली दीप उत्सव के रूप में मनाते हैं जिसे छत्तीसगढ़ के गांव में लोग होत्ती के नाम से संबोधित करते हैं। इस दिन ही गांव के समस्त किसान भाई अपने ग्रामीण देवालय,कुलदेवी देवता,देव स्थलों का विशेष रूप से साफ-सफाई करते हैं और संध्या समय घर और गांव की विभिन्न देवी देवताओं का मिट्टी और कुछ आते से बने दिए जलाकर सच्चे मन से सम्मान प्रकट करते हैं। छत्तीसगढ़ के गांवों में यह त्यौहार विशेष रूप से मनाई जाती है। इस दिन घरों में नए चावल आटे से फरा,झांझी,कुम्हड़ा के पकवान जैसे स्थानीय व्यंजन बनाकर खाते और आपस में बांटते हैं। इस दिन गांव में ईशर-गौरा की स्थापना किया जाता है । यह लोकपर्व गोंड जनजाति से संबंधित है जो अपने इष्ट देव शंभू-गौरा की सुंदर प्रतिमा मिट्टी से उसी दिन निर्माण कर एक विवाह की रस्म अदायगी का कार्यक्रम संपन्न किया जाता है। इस दिन गांव के लोग कलशा सजाते हैं, फिर देव परघाना और गौरा चौरा में ईश्वर - गौरा को स्थापित करना और संबंधित संस्कारित गीत महिलाओं की ओर से हाथ में चावल पकड़ कर गई जाती है। जो कि छत्तीसगढ़ में काफी लोकप्रिय छाप छोड़ता है। जिस प्रकार से शंकर और पार्वती के अनेक नाम मिलते हैं ठीक ऐसा ही शंभू-गौरा,ईश्वर-गौरा के अनेक नाम मिल जाएंगे। छत्तीसगढ़ की विभिन्न गायक- गायिकाओं ने गौरा-गौरी गीत गाकर इस प्रथा को उन्नत बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है लोग ईशर-गौरा को अज्ञानता वश गौरी-गौरा बोल देते हैं। ठीक इसके चौथे दिन होता है। गोवर्धन पूजा जिसे छत्तीसगढ़ के लोग इस दिन को देवारी तिहार बोलते हैं और इस पर्व का अधिकांश आनंद गांवों में इसी दिन लेते हैं । गोवर्धनड्डगो गोवर्धन। यहां ड्ड गो किसान की उपयोगी पशुएं हैं। वर्धनड्ड बढ़ाना वृद्धि होना अर्थात घरों में गाय बैलों का कृषि उपयोगी जानवरों का बढ़ना कोठा भरा रहने की कामना का पर्व गोवर्धन है । जिसका संवर्धन पालन पोषण संरक्षण ग्रामीण जन बखूबी जानते हैं। इस दिन कोठा के पास गोबर , सिलयारी के

पौध,मेनरी,दावना,धान की बाली, गेंदा के फूल से गोवर्धन सजाकर पूजा करते हैं। पशुओं के प्रति कृतज्ञता वक्त करते हुए कुछ कार्य किसान ड्डहेरली,पोला,उत्सव में भी करते हैं। गोवर्धन के दिन राऊत-नृत्य के साथ गाय बैलों को सोहाई (माला) बांधकर खिचड़ी खिलाया जाता है। शाम को गाय बैलों के साथ गांव के बीच गौठान में स्थापित साड़हा देव में गोवर्धन कार्यक्रम संपन्न होता है। लोग गोवर्धन (मित्र) बधते हैं। इस पर्व का पंचम दिन होता है ड्डभाई दूज। छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों को छोड़ दे तो पूरा छत्तीसगढ़ इस त्योहार से अनभिज्ञ रहा जाता है जिसे भाई-बहन की श्रद्धा का तिलक अभिनंदन पर्व माना जाता है । इस प्रकार से छत्तीसगढ़ में दीपावली पर्व की अनुगुंज ग्राम्य जनजीवन में झांकी पेश करते समरसता के भाव के साथ जनवादी धारणाएं प्रकट करते हुए पर्व आत्मा रौशन होकर हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हो जाती है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

नगर निगम की सामान्य सभा में जमकर हंगामा, पक्ष-विपक्ष में तीखी नोकझोंक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक गुरुवार को सरगुजा सदन में सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत से ही माहौल गरमा गया जब नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने छह माह में सामान्य सभा नहीं बुलाने का आरोप लगाया। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष ने नगर निगम पर बिना नोटिस दिए ठेला-गुमटी हटाने और कार्रवाई के दौरान लोगों से दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय इस प्रकार की कार्रवाई आम जनता के लिए असहज है। जवाब में पीडब्ल्यूडी प्रभारी मनीष सिंह ने कहा कि जाम से परेशान जनता के हित में यह निर्णय लिया गया है और ठेला-गुमटी वालों के लिए पुराने बस स्टैंड में वैकल्पिक स्थान निर्धारित किया गया है। विपक्ष ने सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई न होने का भी मुद्दा उठाया। शफी अहमद ने आरोप लगाया कि अधिकांश समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने नगर पालिका स्कूल की जर्जर हालत का मुद्दा उठाते हुए निगम आयुक्त से जवाब मांगा। आयुक्त ने बताया कि निरीक्षण कराया गया है, जिस पर विपक्ष ने सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। विकास कार्यों में भेदभाव को लेकर विपक्ष ने सत्तापक्ष पर बड़ा आरोप लगाया। शफी अहमद ने कहा कि सत्ता पक्ष के वार्डों में 16 करोड़ रुपये जबकि विपक्ष के वार्डों में केवल ढाई करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। उन्होंने सडक़ों की दयनीय स्थिति पर चिंता जताई। इसके जवाब में मनीष सिंह ने पूर्व कांग्रेस शासन पर पलटवार करते हुए कहा कि 10 वर्षों तक नगर निगम में कांग्रेस का शासन रहा, तब मरम्मत होती तो आज हालात ऐसे नहीं होते।

विकास की गति हुई है तेज : महापौर

महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि कांग्रेस के शासन में सामान्य सभा का आयोजन अनियमित था और विकास कार्य ठप थे। उन्होंने कहा कि मात्र 6-7 माह में उनकी सरकार ने विकास की गति तेज की है और जो कार्य कांग्रेस पांच साल में नहीं कर सकी, उसे वर्तमान सरकार ने कुछ महीनों में कर दिखाया।

मास्टर प्लान में विसंगति...

बैठक में शहर की मास्टर प्लान की विसंगतियों पर भी चर्चा हुई। सत्तापक्ष के पार्षद आलोक दुबे ने 2011 के मास्टर प्लान को अव्यवस्थित बताया और कहा कि जलजमाव की समस्या गंभीर होती जा रही है। उन्होंने वर्ष 2021-22 में प्रस्तावित नए मास्टर प्लान को जल्द लागू करने की मांग की।

अमृत मिशन में विपक्ष पर हमला...

अमृत मिशन योजना पर भी सदन में गरमागरम बहस हुई। आलोक दुबे ने योजना को विफल बताते हुए कहा कि 105 करोड़ की लागत के बावजूद आधे शहर को भी पानी नहीं मिल रहा। इस पर विपक्ष ने कहा कि अमृत मिशन उनके कार्यकाल की योजना थी और पूर्व में भी जांच के लिए कहा गया था। यदि कोई दोषी पाया जाता है,तो कार्रवाई की मांग की जाती रही है।

दोनों पक्षों के बीच जमकर बहसबाजी

सभा में महिला महिमामंडन को लेकर भी विवाद हुआ। सत्ता पक्ष के एक पार्षद द्वारा प्रदेश सरकार व निगम की प्रशंसा पर विपक्ष ने आपत्ति जताई और कहा कि सदन प्रचार का मंच नहीं है, जबकि जनता गड्ढों से जूझ रही है।कुल मिलाकर नगर निगम की यह सामान्य सभा आरोप-प्रत्यारोप,आरोपों के जवाब और जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों के कारण बेहद हंगामेदार रही। विकास कार्य, अमृत मिशन,मास्टर प्लान,गुमटी हटाना, और वार्डों में भेदभाव जैसे कई गंभीर विषयों पर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने रहे।

होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया दीपोत्सव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

उपप्राचार्य डॉ सिस्टर मंजू टोप्पो तथा वरिष्ठ प्राध्यापकगण द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर ईश्वर का स्मरण करते हुए ,कार्यक्रम का आरंभ हुआ,उसके पश्चात छात्राओं द्वारा भक्ति भावना से परिपूर्ण प्रार्थना नृत्य प्रस्तुत किया गया,छात्राओं द्वारा रामलीला की सुंदर प्रस्तुति के माध्यम से प्रभु श्री राम के जीवन से जुड़े घटनाक्रमों को बड़ी खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया गया। उपप्राचार्य महोदया ने दीपावली पर सभी को बधाई देते हुए श्री राम के जीवन से संबंधित अनेक प्रसंगों के माध्यम से उनके जीवन से प्रेरणा लेने के विषय में बताया व सबके अच्छे स्वास्थ्य,सुख व समृद्धि की कामना की। डॉ कल्पना गुहा समाज विज्ञान संकाय एक्टिविटी डीन ने इस पर्व के अवसर पर बेटियों का इस अवसर पर दुर्गा और काली और लक्ष्मी सरस्वती के रूप में आह्वान कर सभी को शुभकामनाएं और बधाई दी। समस्त कार्यक्रम गणित विभाग की सा.प्रा. सिस्टर दिव्या गुलाब मिंज एवं सुश्री प्रीति सिंह सा.प्रा प्राणी वनस्पति शास्त्र के मार्गदर्शन में तैयार किया गया,सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं ने इस पर्व में छिपे संदेश और शिक्षा को भी बहुत ही सुन्दर और सहज तथा रुचिकर ढंग से प्रस्तुत किया,मंच संचालन की जिम्मेदारी दिशा टोप्पो व शेरोन एक्का ने बखूबी निभाते हुए इस पर्व के संदर्भ में जानकारी प्रदान की।

बैंक से पैसे निकालकर लौट रहे ग्रामीण से 60 हजार की छिनैती,आरोपी फरार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शहर में दिनदहाड़े लूट की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दरिमा थाना क्षेत्र के नवांगर निवासी ग्रामीण रामनाथ राम से अज्ञात बाइक सवार युवक ने 60 हजार रुपये की छिनैती कर ली और मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने घटना की शिकायत कोतवाली में दर्ज कराई है,जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, रामनाथ राम 14 अक्टूबर की दोपहर अपनी बाइक से अंबिकापुर आया था। उसके पास पहले से 40 हजार रुपये मौजूद थे। इसके अलावा उसने एसबीआई शाखा से 20 हजार रुपये और निकाले। कुल 60 हजार रुपये को एक झोले में रखकर वह बाइक के हैंडल में टांगकर अपने गांव लौट रहा था।

मुख्य सचिव विकासशील से मिला शिक्षक फेडरेशन का प्रतिनिधिमंडल

शासकीय सेवक कल्याण के मुद्दों पर हुआ है गहन चर्चा : राजेश चटर्जी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी (सचिव छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन) के नेतृत्व में मुख्य सचिव श्री विकासशील को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दिया है। साथ ही शासकीय सेवक हितार्थ मुद्दों पर ज्ञापन दिया है। फेडरेशन के प्रदेश महामंत्री कमलेश सोनी, संभागीय अध्यक्ष संजय सिंह, जिला अध्यक्ष एम एस आजाद ने बताया कि मुख्यसचिव महोदय को प्रदेश के कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना का प्रस्ताव प्रस्तुत कर गहन चर्चा किया है। प्रदेश के सभी कर्मचारियों के लिए चार स्तरीय समयमान वेतनमान का प्रारूप प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने बताया कि एनपीएस पेंशन योजना के स्थान पर अप्रैल 22 से लागू किये गये ओपीएस योजना को एलबी संवर्ग तथा अन्य शासकीय सेवक एवं परिवार के बेहतर भविष्य के दृष्टिगत नवंबर 2012 से प्रभावशील करने का निवेदन किया है।सहायक शिक्षक संवर्ग को भी समस्त शासकीय सेवक के समान त्रिस्तरीय समयमान वेतनमान स्वीकृति हेतु तथ्यात्मक ज्ञापन दिया है।सभी शिक्षक संवर्ग को समयबद्ध पदोन्नति,समयमान वेतनमान एवं सेजस स्कूलों में प्रतिनियुक्ति वाले शिक्षक संवर्ग तथा अन्य कर्मचारियों को कोषालय से मासिक वेतन भुगतान,सेवाकालीन सुविधा तथा स्वत्वों के अंतिम भुगतान के सरलीकरण जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुआ है। प्रतिनिधिमंडल में प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी,उप-प्रांताध्यक्ष पवन सिंह,बालोद जिला अध्यक्ष राधेश्याम साहू (प्रदेश अध्यक्ष ओ बी सी महासभा),रायपुर जिला अध्यक्ष देवमणि साहू,जिला सचिव नीलम सोनी एवं मनसुख दास साहू शामिल हुए।

लुंड्रा विधानसभा में आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन सम्पन्न,वोकल फॉर लोकल को मिला बढ़ावा

विधायक प्रबोध मिंज बोले...आत्मनिर्भर भारत का आधार है स्थानीय स्वावलंबन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत लुंड्रा विधानसभा स्तरीय सम्मेलन रघुनाथपुर में संपन्न हुआ। सम्मेलन में विधायक एवं मुख्य वक्ता प्रबोध मिंज,युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, तथा जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह एवं जिला महामंत्री विनोद हर्ष की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वोकल फॉर लोकल से जुड़े महिला-पुरुष उद्यमियों, व्यवसायियों और कामगारों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय सरपंचों के नेतृत्व में 30 लोगों ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का संकल्प अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि आज गांव-गांव में छोटे उद्योग, स्थानीय उत्पाद और परंपरागत व्यवसाय फिर से सम्मान पा रहे हैं। भाजपा सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक अपने क्षेत्र में रोजगार का सृजन करे और देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाए। विधायक प्रबोध मिंज ने लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों की भी जानकारी दी । विश्वविजय सिंह तोमर ने अपने संबोधन में कहा कि युवा पीढ़ी को स्टार्टअप,नवाचार और स्थानीय उत्पादों पर आधारित उद्यम की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल रोजगार नहीं,बल्कि आत्मसम्मान की भावना से जुड़ा है। युवाओं को वोकल फॉर लोकल की भावना को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। निरूपा सिंह ने कहा कि महिलाओं ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाई है। घर-परिवार से लेकर समाज तक,महिला उद्यमियों ने स्वावलंबन का मार्ग दिखाया है। भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए स्वरोजगार, स्वसहायता समूह और कौशल विकास जैसी योजनाओं से नया आत्मविश्वास दिया है। जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने कहा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक एक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा वोकल फॉर लोकल से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। जब गांव का हर व्यक्ति स्थानीय उत्पादों को अपनाएगा,तभी आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। कार्यक्रम को जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव,जिला मंत्री वैभव सिंह देव एवं लुंड्रा विस सम्मेलन प्रभारी अंकित जायसवाल ने भी संबोधित किया। मंच संचालन जयंत मिंज ने किया तथा जिला उपाध्यक्ष चन्द्रिका यादव ने आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन में अजा जा मोर्चा अध्यक्ष धनराम नागेश,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष उमाशंकर उपाध्याय,मंडल अध्यक्ष लुंड्रा सतीश जायसवाल, मंडल अध्यक्ष कुन्नी रवि महंत, मंडल अध्यक्ष धौरपुर संजय गुप्ता, मंडल अध्यक्ष दरिमा राजू सिंह, मंडल अध्यक्ष परसा संतोष जायसवाल,राजेश सोनी,हीरा सिंह टेकाम,विधायक प्रतिनिधि जयंत मिंज, रामविचार यादव,महामंत्री दिलीप प्रजापति, अशोक गुप्ता, महेंद्र सिंह, अरविंद गुप्ता, बुधसागर सिंह, प्रेमशंकर गुप्ता,अवधेश यादव,जागेश्वर पैकरा, राहुल चोपड़ा,सुदामा यादव,जयप्रकाश एक्का सहित बड़ी संख्या में वोकल फॉर लोकल से जुड़े व्यवसायी, व्यापारी, कामगार एवं भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हाथी के हमले में युवक की मौत,दो दिन में दूसरी घटना से दहशत का माहौल

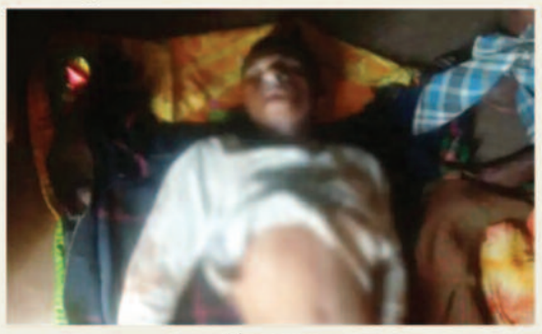

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लुण्ड्रा वन परीक्षेत्र में हाथी के हमले में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान अजय कंवर (उम्र 21 वर्ष) निवासी ग्राम चलगली के रूप में हुई है। यह हादसा सोमवार रात तब हुआ जब अजय अपने दो दोस्तों के साथ ऑर्केस्ट्रा देखकर वापस लौट रहा था। रास्ते में हाथी को देखने के लिए तीनों नजदीक चले गए थे,तभी हाथी ने अचानक हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,तीनों युवक चलगली और बकनाकला के बीच स्थित जंगल के पास हाथी को देख कर उसकी ओर बढ़े। तभी हाथी ने आक्रामक रुख अपनाया और दौड़ाया। अजय भाग नहीं पाया और हाथी ने उसे सूंड से उठाकर पटक दिया,जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, उसके दोनों साथी किसी तरह भागकर जान बचाने में सफल रहे और गांव में जाकर घटना की सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। प्रक्रिया पूर्ण कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। अजय की मौत से गांव में शोक का माहौल है। यह घटना बीते दो दिनों में हाथी के हमले से हुई दूसरी मौत है। इससे पहले मंगलवार को भी लालमाटी क्षेत्र में हाथी के हमले में एक युवक की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि 25 से 30 हाथियों का दल अंबिकापुर शहर से सटे खैरबार और बधियाचुआं तक पहुंच गया था। वन विभाग की ओर से खदेड़ने के प्रयासों के बावजूद दल मंगलवार को लालमाटी पहुंच गया, जहां एक और युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। इन दोनों घटनाओं के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग द्वारा समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाए गए, जिससे लगातार जानमाल का नुकसान हो रहा है। वहीं वन विभाग का कहना है कि हाथियों को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं।

साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता विषय पर आधारित कार्यक्रम

विवेकानन्द विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर एवं कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरिमा,बॉयज स्कूल दरिमा मे किया गया आयोजित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा. पु. से.) के दिशा निर्देशन मे सरगुजा पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता विषय पर आधारित विशेष कार्यक्रम विवेकानन्द विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर , कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरिमा, बॉयज स्कूल दरिमा में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम में होने वाले अपराधों से जागरूक करना एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों ने विवेकानन्द विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर मे अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में साइबर क्राइम समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। इस प्रकार के अपराधों से बचने के लिए आवश्यक है कि हम डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखें एवं किसी अंजान व्यक्ति से साझा न करें। उन्होंने साइबर अपराधों के विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को सावधान रहने की प्रेरणा दी और बताया कि साइबर जागरूकता ही इसका सबसे प्रभावी समाधान है। यातायात शाखा से उप निरीक्षक अभय तिवारी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार साइबर अपराधी लोगों को विभिन्न तरीकों से धोखा देते हैं और लोगों को उनके जाल में फंसा लेते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर भरोसा न करें और किसी भी प्रकार की साइबर घटना की जानकारी तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर अथवा 222.ਬ4इूद्गह्लद्बद्वद्ग.द्द्1.द्बठ्ठ पोर्टल पर दें। साइबर विशेषज्ञ प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान्, आरक्षक अनुज जायसवाल,वीरेंद्र पैकरा जी ने तकनीकी दृष्टिकोण से बताया कि कैसे साइबर अपराधी सोशल मीडिया,गेमिंग ऐप्स और ऑनलाइन लेनदेन के माध्यम से लोगों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने सभी को स्मार्ट यूजर, सेफ यूजर बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पुलिस मितान एवं साइबर वॉलेंटियर्स- अतुल गुप्ता, विक्की गुप्ता,श्रुति तिवारी एवं अनमोल बारी उपस्थित रहे,जिन्होंने जागरूकता संदेश और उपयोगी जानकारी साझा की। कार्यक्रम के आयोजन में श्रीमद स्वामी तन्मयानंद जी (सचिव, श्रीरामकृष्ण विवेकानन्द सेवा आश्रम, अम्बिकापुर), प्राचार्य श्रीमती काकोली गांगुली (विवेकानन्द विद्या निकेतन उ. मा. विद्यालय, अम्बिकापुर) एवं कार्यक्रम अधिकारी (रा. से. यो.) श्री राकेश राय का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, कार्यक्रम के अंत मे सभी विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार एवं मित्रों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें और सुरक्षित डिजिटल भारत के निर्माण में सहयोगी बनें।

चुनाव जीतने वालों ने गणवेश में किया पथ संचलन,हारे हुए नेताओं ने कार्यक्रम में बिना गणवेश पहुंचकर आरएसएस पर किया एहसान?

आरएसएस के पथ संचलन में कार्यक्रम में अलग अलग नजर आया भाजपा नेताओं के शिरकत का अंदाज

■ भाजपा में नए आए जीतकर आए नेताओं ने गणवेश पहनकर किया गर्व महसूस,क्या हारे नेताओं ने गणवेश से किया इंकार?

कई जगह ऐसे भी लोगों ने पहना गणवेश जिनका भविष्य में कहां होगा ठिकाना यह भी नहीं पता, स्वयं सेवक बनने युवाओं में नजर आया उत्साह,कई जगह युवाओं ने गर्व से किया पथ संचलन

-संवाददाता-
कोरिया/एमसीबी 16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के गठन के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और इस दौरान वह विजयादशमी पर्व अवसर पर प्रत्येक वर्ष होने वाले पथ संचलन कार्यक्रम को विस्तृत रूप प्रदान कर रहा है जिसमें देखा जा रहा है कि पहले जो पथ संचलन कुछ निश्चित स्थानों पर नगरों में हुआ करता था वह ग्राम स्तर तक हो रहा है जिसमें स्वयं सेवक बनकर शामिल होने लोगों में होड़ भी लगी हुई है,इस शताब्दी वर्ष पथ संचलन में ऐसे लोग भी पथ संचलन कार्यक्रम में नजर आ रहे हैं जो कभी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को कोसते थे उसकी बुराई करते थे और अन्य को भी इससे न जुड़ने की सीख मुफ्त में वह प्रदान करते थे,ऐसे लोग इस वर्ष खुद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के निर्धारित गणवेश में अपने स्थानीय पथ संचलन कार्यक्रमों में उपस्थित हो रहे हैं और वह संघ के माध्यम से राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना प्रदर्शित कर रहे हैं मातृभूमि की रक्षा का संकल्प ले रहे हैं। इन कार्यक्रमों में पहुंचकर जो नए लोग जो पहले संघ विचारधारा के खिलाफ थे वह भी गणवेश धारण कर रहे हैं और वह भी मातृभूमि की सेवा का संकल्प लेते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा को अपनाने की बात कर रहे हैं।

वैसे नए जो लोग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ रहे हैं क्या वह भाजपा में भविष्य तलाशने के हिसाब से संघ के पथ संचलन कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं या वह सही मायने में ही संघ की विचारधारा को अपनाते हुए मातृभूमि सेवा के लिए आगे आना चाह रहे हैं यह एक सवाल जरूर खड़ा होता है,इन कार्यक्रमों में खासकर पथ संचलन और दैनिक शाखाओं में वह लोग भी पहुंच रहे हैं जो किसी अन्य दल से भाजपा में शामिल हुए हैं,इनमें अधिकाशं कांग्रेस जैसी पार्टी से ताल्लुक रखने वाले लोग हैं जो अब भाजपा में आ चुके हैं या वह कम से कम राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक बन चुके हैं,वैसे यह लोग केवल इसलिए आरएसएस से जुड़ रहे हैं क्योंकि आरएसएस और भाजपा का नाता जोड़ा जाता है और यदि यह फिर भविष्य में यदि भाजपा छोड़ेंगे तो आरएसएस से नाता भी तोड़ेंगे यह भी एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। वैसे नए जुड़ रहे स्वयं सेवकों का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा है वह पुराने स्वयं सेवकों से अधिक संकल्पित और समर्पित नजर आ रहे हैं वहीं पुराने भाजपाई तो इस शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में भी पहुंचना गवारा नहीं समझ रहे हैं या पहुंच भी रहे हैं तो उनका उद्देश्य केवल फोटोग्राफी कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना मात्र है,वैसे आयोजित कार्यक्रमों में हालिया चुनावों में जीत दर्ज कर आए भाजपाई उत्साहित होकर शामिल हो रहे हैं वह पूर्ण गणवेश में भी नजर आ रहे हैं वहीं जिन्हें हार मिली है चुनावों में वह नदारद हैं या केवल वह अपनी उपस्थिति मात्र दर्ज करा रहे हैं और फोटो खिंचवाकर निकल जा रहे हैं। निष्ठा अधिकाशं की समझ में नहीं आ रही है एक काम समझकर उसे पूरा करने का प्रयास भर करते अधिकाशं देखे जा रहे हैं।

स्वयं सेवक बनने उत्साहित नजर आ रहे हैं युवावर्ग के लोग,बुजुर्ग और बच्चे भी नजर आ रहे हैं पथ संचलन कार्यक्रम में-

पथ संचलन कार्यक्रमों में यह देखने को मिल रहा है कि स्वयं सेवक बनने उत्साहित हैं युवा वर्ग के लोग बुजुर्ग और बच्चे, शताब्दी वर्ष अवसर पर आयोजित हो रहे पथ संचलन कार्यक्रमों में ग्राम स्तर तक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा को पहुंचाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने वह लक्ष्य काफी हद तक पूरा होता नजर आ रहा है,ग्राम स्तर तक शाखाओं का नियमित संचालन जारी हो चुका है जिसमें क्रमशः लोगों के जुड़ने का क्रम जारी है,कभी जहां मुश्किल से स्वयं सेवकों की किसी कार्यक्रम में संख्या जुट पाती थी आज स्वयं सेवक गांव गांव में नजर आ रहे हैं यह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विस्तार को बतलाता है। देखा जाए तो कुछ स्वार्थवश कुछ निस्वार्थ भाव से जुड़ रहे स्वयं सेवक इसके विस्तार को तो विस्तृत अवश्य कर रहे हैं जिसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं।

भाजपा के हलिया चुनाव में हारे नेता,कई पुराने भाजपाई कार्यक्रमों से बना रहे दूरी या फिर फोटोग्राफी तक निभा रहे जिम्मेदारी

शताब्दी वर्ष अवसर पर आयोजित हो रहे पथ संचलन कार्यक्रमों में यह भी देखने को मिल रहा है कि इन कार्यकमों से भाजपा के वह नेता दूरी बनाकर चल रहे हैं जिन्हें हालिया चुनाव में जनता ने ही नकार दिया है,ऐसे नेता या तो कार्यक्रमों में नहीं पहुंच रहे हैं या यदि पहुंच भी रहे हैं तो फोटोग्राफी को ही जिम्मेदारी मानकर फोटो खींचकर अपनी सोशल मीडिया पर डालकर जिम्मेदारी से मुक्त हो जा रहे हैं,ऐसे नेता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के उस उद्देश्य का ही बहिष्कार करते नजर आ रहे हैं जिसके अनुसार गणवेश धारी स्वयं सेवकों की संख्या के साथ कार्यक्रम संपन्न हो जिससे शामिल होने वाले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ाव महसूस कर सकें और मातृभूमि की रक्षा का वह संकल्प समान रूप से ले सकें। कार्यकमों में पहुंचने वाले गैर गणवेश धारी भाजपा नेताओं की मंशा फोटोग्राफी से अधिक की नजर नहीं आती वह खुद को स्वयं सेवक कहलवाना मात्र चाहते हैं उन्हें स्वयं सेवक बनकर कतारबद्ध होना स्वीकार नहीं।

स्वार्थ उद्देश्य मात्र से जुड़े लोगों की उपस्थिति केवल क्षणिक आ रही नजर-

कार्यक्रमों में स्वार्थ उद्देश्य से भी जुड़े लोग पहुंच रहे हैं,उनका उद्देश्य स्वार्थ पूर्ति मात्र है जिससे उनकी तस्वीर वह कहीं दिखा सकें और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का होने का वह लाभ ले सकें,भाजपा में ऐसे लोगों की भरमार है जिन्हें केवल स्वार्थ के लिए ही आरएसएस का उपयोग करना आता है, ऐसे लोग आरएसएस की विचारधारा के विरूद्ध जाकर भी व्यवहार करते नजर आते हैं और कई बार यह आरएसएस के विरूद्ध कुछ भी सुन समझकर मौन भी रह जाते हैं,ऐसे लोग शासकीय कार्यालयों में खुद को आरएसएस का बताकर काम निकलवाना बेहतर जानते हैं और अधिकाशं यह ठेकेदार या सप्लायर हैं। इनकी उपस्थिति केवल और केवल स्वार्थ पूर्ति तक सीमित मानी जाती है इनका विचारधारा से कोई लेना देना नहीं होता यह माना जाता है।

कुछ भाजपाई क्या आरएसएस से भी ऊपर मानते हैं खुद को?

पूरे मामले में यह सवाल भी उठता है कि क्या कुछ भाजपाई आरएसएस से ऊपर मानते हैं खुद को,जिस तरह का उनका व्यवहार शताब्दी वर्ष पथ संचलन कार्यक्रम के दौरान नजर आ रहा है लगता तो ऐसा ही है,केवल और केवल उपस्थित प्रदर्शित करने मात्र के उद्देश्य के साथ कार्यक्रमों में पहुंचना फोटो खींचकर और सोशल मीडिया में डालकर निकल जाना,गणवेश या तो नहीं पहनना या फिर अपूर्ण गणवेश में ही आकर अनुशासन हीनता प्रदर्शित करना,जो कुछ भाजपाई प्रदर्शित कर रहे हैं वह लगता नहीं अनुशासन के अनुसार सही है आरएसएस के,वैसे आरएसएस के पथ संचलन कार्यक्रमों की गरिमा का ध्यान इन्हें रखना चाहिए क्योंकि आरएसएस अनुशासन से ही पहचान अपनी रखती है।

सरगुजा में जापानी इंसेफेलाइटिस का खतरा बढ़ा,23 लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में जापानी इंसेफेलाइटिस (जापानी बुखार) का खतरा बढ़ गया है। जिले में सुअरों में इस वायरस की पुष्टि के बाद अब स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट पर है। विभाग ने सकालो फार्म और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले 23 लोगों के ब्लड सैंपल लेकर जांच के लिए रायपुर भेजे हैं। माना जा रहा है कि इंसानों में संक्रमण की संभावना बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर, लुंड्रा, बतौली, सीतापुर और मैनपाट क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस फैलने की आशंका

के चलते पशु चिकित्सा विभाग ने 120 सुअरों के सैंपल जांच के लिए भेजे थे। बेंगलुरु स्थित आईसीएआर लैब से आई रिपोर्ट में 61 सुअरों में वायरस की पुष्टि हुई। यानी आधे से अधिक सैंपल पॉजिटिव पाए गए। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल लोगों की जांच शुरू की और आसपास के इलाकों में मच्छर नियंत्रण के उपाय तेज किए। विशेषज्ञों के अनुसार, यह वायरस मच्छरों के काटने से फैलता है। सुअरों पर इसका ज्यादा असर नहीं होता, लेकिन जब संक्रमित मच्छर इंसान को काटता है तो वायरस मानव शरीर में प्रवेश कर जाता है। यह रोग इंसान से इंसान में नहीं फैलता, लेकिन मस्तिष्क को प्रभावित कर घातक साबित हो सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि जापानी इंसेफेलाइटिस का कोई निश्चित इलाज नहीं है, केवल लक्षणों के आधार पर उपचार किया जाता है। टीकाकरण और मच्छर नियंत्रण ही इस बीमारी से बचाव के मुख्य उपाय हैं। शुरुआती लक्षणों में तेज बुखार, सिर दर्द, उल्टी, थकान और मानसिक भ्रम शामिल हैं।

आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा, कलेक्टर राजेन्द्र कटारा डी.एफ.ओ.बलरामपुर के उपस्थिति में जिले से साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम की की शुरूआत

सुरक्षित ऑनलाइन आदतें अपनाएं और साइबर फ्रॉड से रहें सतर्क : आईजी सरगुजा

-संवाददाता-
बलरामपुर,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने आज दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को बलरामपुर जिले से साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर छात्रों और ग्रामीणों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना है ताकि कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन ठगी या डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार न बने। समझाइश देते हुए कहा साइबर फ्रॉड से पीड़ित नागरिकों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर दिया गया। जिन लोगों ने सूझबूझ और हिम्मत से ठगी की घटनाओं की रिपोर्ट कर राशि वापस प्राप्त की, उन्होंने अपने अनुभवों से सभी को सतर्क रहने की प्रेरणा दी। आईजी दीपक कुमार झा ने छात्रों और नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक युग में साइबर फ्रॉड एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन चुका है। साइबर अपराधी रोज नए तरीके निकाल रहे हैं, लेकिन जागरूक नागरिक उनके इरादों को नाकाम कर सकते हैं। किसी भी अनजान कॉल, लिंक, APK फ़ाइल या ओटीपी साझा करने से बचें। अगर आप किसी धोखाधड़ी का शिकार हो जाएं तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime. gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। एवं अपने नजदीकी थाना/चौकी में तत्काल रिपोर्ट दर्ज करवाय, आईजी दीपक कुमार झा ने संवाद के दौरान छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों का धैर्यपूर्वक उत्तर दिया और उनके जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही कहा पुलिस तभी प्रभावी होती है जब जनता उससे खुलकर संवाद करे। उन्होंने सरगुजा रेंज में शुरू की गई क्यूआर कोड सुविधा के बारे में बताते हुए नागरिकों से आग्रह किया कि वे पुलिस सेवाओं पर अपने सुझाव और अनुभव साझा कर इस जनहितकारी पहल को सफल बनाए। कहा कि बच्चों इंटरनेट परसुरक्षित ऑनलाइन आदतें अपनाकर ही हम साइबर जोखिमों को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

कलेक्टर बलरामपुर राजेन्द्र कटारा ने कार्यक्रम को संबंधित करते हुए कहा- बलरामपुर कलक्टर राजेंद्र कटारा ने अपने उद्बोधन में कहा साइबर ठगी से बचने के लिए सबसे जरूरी है सतर्कता। किसी भी लालच या इनाम के झांसे में न आएं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे जो साइबर सुरक्षा की जानकारी सीखें, उसे अपने गांव, परिवार और मित्रों तक जरूर पहुँचाएं ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक हो सकें। कलेक्टर ने कहा कि ऑनलाइन लेनदेन में मजबूत पासवर्ड का प्रयोग करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी साझा करने से बचें। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बेंकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि साइबर ठग आजकल नौकरी, इनाम, नकली लिंक, या वॉइस कॉल, वीडियो कॉल के जरिए लोगों को जाल में फंसा रहे हैं बलरामपुर जिले में पुलिस निरंतर जनजागरूकता अभियान चला रही है। पुलिस के सोशल मीडिया पेज पर नियमित रूप से साइबर अपराध से बचाव संबंधी वीडियो और पोस्ट साझा किए जा रहे हैं ताकि जनता ज्यादा जागरूक हो सके। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध की रोकथाम तभी संभव है जब जनता खुद जागरूक और रिपोर्टिंग के प्रति तत्पर रहे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विश्वदीपक त्रिपाठी ने कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर द्वारा आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा, कलेक्टर बलरामपुर राजेन्द्र कटारा, डीएफओ बलरामपुर आलोक कुमार वाजपेयी को स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी, रक्षित निरीक्षक श्री विमलेश देवांगन, थाना प्रभारी बलरामपुर श्री भपेंद्र साहू , निरीक्षक राजेन्द्र यादव, निरीक्षक कुमार चंदन सिंह, उप निरीक्षक हिम्मत सिंह शेखावत साइबर सेल प्रभारी बलरामपुर, उप निरिक्षक ओम पटेल चौकी प्रभारी गणेशमोड सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य एन. के.देवांगन शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर द्वारा किया गया।

क्यूआर कोड के जरिए ग्राहक सेवा केंद्र संचालक से 59 हजार की धोखाधड़ी, 10 माह बाद एफआईआर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शहर में साइबर धोखाधड़ी का एक मामला प्रकाश में आया है, जिसमें ठगी कर नकद राशि हासिल करने के बाद एक ग्राहक सेवा केंद्र संचालक को लगभग 59 हजार रुपए की चपत लगी है। यह घटना दिसंबर 2024 में घटी थी, लेकिन पीड़ित संचालक ने करीब 10 महीने बाद कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मणिपुर थाना क्षेत्र के भिंडीकला महुआटिकरा निवासी प्यारे लाल राजवाड़े, जो कोतवाली क्षेत्र के जोड़ा पीपल के पास ग्राहक सेवा केंद्र चलाते हैं, ने बताया कि 9 दिसंबर 2024 को ठनगनपारा निवासी प्रिंस गुप्ता अपने एक साथी के साथ उनके घर पहुंचा। उसने मेडिकल इमरजेंसी का हवाला देकर नकद पैसे की जरूरत बताई। प्यारे लाल द्वारा दिए गए क्यूआर कोड में प्रिंस ने पहले 50,000 रुपए ट्रांसफर किए और बदले में नकद राशि ले ली। इसके बाद वह पुनः 50,880 रुपए ट्रांसफर कर नकदी ले गया। कुछ दिन बाद प्यारे लाल के मोबाइल पर उनके बैंक खाते को होल्ड किए जाने का मैसेज आया।

चंदहा बंशीपुर में दो साल से विद्युतीकरण कार्य ठप्प होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी

ग्रामीणों द्वारा कई बार मांग किये जाने के बावजूद शासन प्रशासन नही ले रहा सुध

क्या पिछली सरकार में स्वीकृत और संचालित कार्य हो रहे राजनीति का शिकार?

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में विद्युतीकरण की हुई थी स्वीकृति,आधे से ज्यादा हो गया था काम

सौर ऊर्जा के सहारे जन जीवन वो भी मांग के अनुरूप नही दे पा रहा उत्पादन

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड अंतर्गत बहुत से विद्युत विहीन ग्राम है इनमें से बहुत से ग्रामो में पूर्व विधायक गुलाब कमरो के प्रयासों से पिछली सरकार में विद्युतीकरण की स्वीकृति हुई और काम भी हुआ, फिलहाल हम बात कर रहे हैं सोनहत के वानांचल चंदहा बंशीपुर,कचोहर, नवाटोला, और कदना की ये वो ग्राम है जहां आजादी के बाद पहली बार बिजली पहुचाने की योजना बना कर कार्य चालू किया गया। गांव में विद्युतीकरण की स्वीकृति होने के बाद पिछले विधानसभा चुनाव के समय ग्राम पँचायत अकलासरई से बंशीपुर तक विद्युतीकरण कार्य के तहत काफी कार्य पूर्ण कर लिए गए जिसमे खंबे गाड़ना खम्बो पर तार खिंचाई कार्य आदि, ग्रामीणों की माने तो 11 के वी और सामान्य लाइनिंग का काफी कार्य हो गया है लेकिन ट्रांसफार्मर नही लगाया गया है और पोल टू हाउस कनेक्शन पिछले 1 साल से नही किया गया है।

समय बीतता गया धीरे-धीरे लोक सभा चुनाव के बाद ग्रामीणों द्वारा लगातार आवाज उठाने के बाद अन्य ग्राम जैसे मेण्ड्रा कि बिजली चालू कर दी गई कुछ दिनो बाद जब घटती घटना ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की मांग को उठाया तो ग्राम छिंगुरा की बन्द बिजली भी जल उठी। लेकिन ग्राम चंदहा का विद्युतीकरण जस का तस पड़ा हुआ है,पिछले लगभग डेढ़ सालों से कार्य बन्द है। हल्का-फुल्का

कार्य कराया गया लेकिन उसके बाद से पूरा काम ठप्प है।

कार्य बन्द होने से ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश

लंबा समय बीत जाने के बाद भी विभाग अभी तक विद्युतीकरण के शेष कार्य को पूर्ण नही कर सका है जिसे लेकर अब विभागीय कार्य प्रणाली पर जहां सवालिया निशान खड़े होने लगे हैं। वही ग्रामवासियो में भारी आक्रोश का आलम निर्मित होने लगा है ग्रामीणों की माने तो उनका कहना है कि कोई सुनता ही नही अब हम करे भी तो क्या करें, वही सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार ज्यादा कार्य शेष नही है अगर पुनः कार्य प्रारंभ हो जाये तो जल्द कार्य पूर्ण किया जा सकता है।

बरसात में चार्ज कम हो रहा सोलर प्लांट : चंदहा में सौर ऊर्जा के सहारे जन जीवन चल रहा है,लेकिन इसकी हालत भी पहले जैसी नही रही है,खपत बढ़ने से और बरसात में धूप नही होने के कारण मांग के अनुरूप बिजली जनरेट नही हो पा रही है मिली जानकारी अनुसार सौर ऊर्जा प्लांट से 2 बल्ब का कनेक्शन ग्रामीण घरों में दिया गया है लेकिन ग्रामीण यहां पर बल्ब के अलावा पंखे पम्प इत्यादि भी चला देते हैं जिससे ओवर लोड होने के कारण प्लांट में लोड बढ़ जाता है और आवश्यकता के अनुसार बैकप नही दे पाता। सूत्र बताते हैं कि विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हुआ होने से के बाद ही लोगो को राहत की संभावना नजर आ रही है क्रेडा विभाग अपने प्लांट का मेंटेनेंस तो कर रहा है लेकिन कुछ स्थानों पर शासन से नई बैटरी आबंटन नही होने के कारण समस्या होती रहती है। क्षेत्र में विद्युतीकरण का हर जगह का कार्य नौ दिन में ढाई कोष की तर्ज पर संचालित है लेकिन इससे फिलहाल शासन प्रशासन को कोई सरोकार नही है, जिससे कही न कही ग्रामीणों को भारी परेशान का सामना करना पड़ रहा है लेकिन ग्रामीणों की इस परेशानी से न तो बिजली विभाग को ही कोई सरोकार है और न किसी जनप्रतिनिधि को वर्तमान में सरकार में बैठे जन प्रतिनिधि समस्या की सुध लेने नही पहुचते है।

विद्युतीकरण को लेकर आंदोलन करेगी कोरिया जन सहयोग समिति

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े,कार्यकारी अध्यक्ष जयचन्द सोंनपाकर समय लाल कमलवंशी ने बताया कि विद्युतीकरण कार्य बन्द होने से लोगो की परेशानी बढ़ गई है,लगभग डेढ़ से दो साल से कार्य बन्द है यदि तंजरा,ठुकरहथि चंदहा,कचोहर,बंशीपुर व अन्य स्थानों पर शीघ्र कार्य शुरू नही हुआ तो कोरिया जन सहयोग समिति ग्रामीणों के साथ मिल कर आंदोलन करेगी।

रुके हुए विद्युतीकरण कार्य तत्काल चालू करे विभाग गुलाब कमरो

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि पिछली सरकार में विद्युत विहीन ग्रामो के ग्रामीणों की मुख्य समस्या और मुख्य मांग विद्युतीकरण थी जिस पर मैंने तत्कालीन मुख्यमंत्री से मांग कर विद्युतीकरण की स्वीकृति कराया था,जिसके बाद तेजी से काम भी चालू हुआ लेकिन सरकार बदलने के बाद पूरे विकास कार्य ठप्प पड़ गए,चंदहा नवाटोला कचोहर तंजरा ठाकुरहत्थी बंशीपुर जैसे ग्रामो के लिए विद्युतीकरण स्वीकृति हुई काम भी हुआ लेकिन पिछले डेढ़ साल में सिर्फ एकाद दो ग्राम छोड़ दिया जाए तो बाकी सभी जगह काम बंद है। यदि विभाग के द्वारा शीघ्र काम पूर्ण कर बिजली सप्लाई नही किया गया तो क्षेत्र में बड़ा आंदोलन किया जायेगा।

लोलकी कछाड़ी चालू हो चुकी है बिजली

कुछ माह पूर्व घटती-घटना में खबर प्रकाशित होने के। बाद छिंगुरा कछाड़ी भगवतपुर में बिजली का सेवा शुरू हो गई है। ग्राम छिंगुरा भगवतपुर में भी सेवा शुरू हो चुकी है।

तंजरा ठाकुरहथि में अधर में रुका कार्य

उपरोक्त ग्रामो के अलावा पूर्ववर्ती सरकार में तंजरा ठाकुरहत्थी में भी बिजली की स्वीकृति मिली थी तंजरा के ग्रामीणों ने बताया कि हमारे यहां कांग्रेस सरकार के समय बिजली का काम स्वीकृत हुआ और शुरू भी हुआ काफी काम हो गया है लेकिन लंबे समय से कार्य ठप्प पड़ा हुआ है, इन ग्रामो में विद्युतीकरण का कार्य अभी तक पूर्ण नही हुआ है अभी तक बहुत से कार्य कराने शेष है, यहां अभी तक बजली पहुचाने के लिए विभाग क्या कर रहा है इस बात से खुद विभाग को ही कोई सरोकार नही है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चला रही हस्ताक्षर अभियान

ब्लॉक कांग्रेस एवं यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष ने संभाला मोर्चा

-संवाददाता-
सोनहत,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा राहुल गांधी के आहवान पर वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान प्रारंभ किया गया, कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेश सिंह व यूथ अध्यक्ष प्रकाश साहू ने कहा कि जो लोग वोट चोरी कर सत्ता में टिके हुए हैं उनके विरोध में अभियान जारी किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारी मांग है की मशीन रीडेबल मतदाता सूची को फोटो सहित सार्वजनिक जांच के लिए उपलब्ध कराएं। वह चुनाव से पहले विलोपन और जोड़ की सूचियों को तस्वीरों सहित सार्वजनिक करें। गलत तरीके से नाम हटाए जाने पर सुलभ शिकायत निवारण प्रणाली बनाएं। अंतिम समय पर नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया को रोका जाए और स्पष्ट कट ऑफ तिथि पहले से घोषित की जाए, व्यवस्थित रूप से मतदाता दमन में शामिल अधिकारियों एजेंटो पर कानूनी कार्रवाई करें।

छत्तीसगढ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,जल संसाधन विभाग सूरजपुर (छ0ग0)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(निविदा निरस्तीकरण सूचना)

इस कार्यालय के निविदा सूचना क्र. 02/वलेलि/2025-26/ दिनांक 23.05.2025 सिस्टम निविदा क्र 168843 (प्रथम आमंत्रण) द्वारा विज्ञापन क्र. जी. 252601235 के माध्यम से सवांरावां जलाशय का मरम्मत कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई थी । उक्त निविदा में एकल निविदा की स्थिति निर्मित हुई है।

अतः मुख्य अभियंता, हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग अंबिकापुर के पत्र क्र. सा-1-12/निविदा का 2025-26/2956 दिनांक 24.09.2025 के परिपालन में उक्त प्रथम आमंत्रित ऑनलाईन निविदा को एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।

कार्यपालनअभियंता
लोक निर्माण विभाग भ/स संभाग सूरजपुर

जी नंबर-252604226/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण सेवा यांत्रिकी
संभाग सूरजपुर, जिला-सूरजपुर
Phone 07775-266048 E-Mail ID : ee-es.surajpur@gov.in
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक /...1841.../वलेलि/ग्रा.या. से/2025-26 सूरजपुर दिनाँक 14/10/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत सिविल/विद्युत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	अमानत राशि सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीडपोस्ट से जमा करने की तिथि
1	2	3	4	5
1	CONST OF MAHTARI SADAN BHAWAN NIRMAN AT JAGATPUR JP SURAJPUR DIST SURAJPUR	26.78	28-10-2025	29.10.2025 17:30pm

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति,निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 14.10.2025 से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in–प्राप्त की जा सकती है ।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी विभाग संभाग सूरजपुर जिला-सूरजपुर

जी नंबर-252604191/3

नम आंखों से दी गई बनवारी भैय्या को अंतिम विदाई

-संवाददाता-
कोरबा,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष और जनसेवा की मिसाल स्वर्गीय श्री बनवारी लाल अग्रवाल (बनवारी भैय्या) को मोती सागर पारा मुक्तिधाम में अंतिम विदाई दी गई। तिरंगे में लिपटी उनकी पार्थिव देह को अंतिम यात्रा से पहले परिजनों, शुभचिंतकों, शहरवासीयो और अनेक राजनीतिक दलो से आये जनप्रतिनिधियो ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। दोपहर करीब 3:30 बजे दुरपा रोड स्थित निवास से प्रारंभ हुई अंतिम यात्रा में शहर भर से जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान बनवारी भैय्या अमर रहें के नारे गूंजते रहे और हर आंख नम थी। अंतिम दर्शन के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, निवर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता आर.बी. अग्रवाल, हितानंद अग्रवाल, नरेन्द्र देवांगन, राजेन्द्र अग्रवाल, देवेन्द्र पांडेय, अशोक चावलानी, अशोक मोदी, नागरमल अग्रवाल, संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा, श्रीमती मंजू सिंह, श्रीमती रुक्मणी नायर, लक्की नंदा, नवीन अरोड़ा, अर्जुन गुप्ता, शैलेन्द्र यादव, अजय चन्द्रा, प्रदीप सिंह, बलराम विश्वकर्मा, योगेश मिश्रा, डिलेन्द्र यादव, उदय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पत्रकार और नागरिक उपस्थित रहे।

दीपावली से पहले कोरबा यातायात पुलिस और नगर निगम ने की संयुक्त कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले में आगामी दीपावली त्यौहार को देखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए कोरबा यातायात पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने कार्यवाही की। टीम ने शारदा विहार चौक के पास सड़क के दोनों ओर फैले दुकानों के अतिक्रमण को लेकर दुकानदारों को समझाइश दी। त्यौहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने दुकानदारों से कहा कि वे अपने सामान को दुकान की सीमा के भीतर रखें, ताकि सड़क पर आने-जाने वालों को परेशानी न हो। इस दौरान पुलिस ने कई दुकानदारों को मौके पर चेतावनी भी दी, कि यदि वे बार-बार सड़क पर कब्जा करेंगे तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस अभियान का नेतृत्व डीएसपी डी.के. सिंह, यातायात थाना प्रभारी तेज यादव और नगर निगम के अतिक्रमण अधिकारी इम्तियाज ने किया। संयुक्त टीम ने लोगों से अपील की कि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाएं और शहर की साफ-सुथरी एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।अधिकारियों ने बताया कि दीपावली तक शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और बाजार क्षेत्रों में ऐसी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, ताकि त्यौहार के दौरान किसी प्रकार की यातायात से संबंधित समस्या या अव्यवस्था न हो।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः. 202510020700056

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः-2025-26

सपना प.ह.न. 00028 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार - शांति बाई,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक शांति बाई पिता धनुषधारी निवासी ग्राम सपना तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सपना स्थित कुल खसरा नंबर 12 कुल रकबा 1.438 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0202509021700023/अ-27/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका फूलमंत आ0 घूरन व अन्य, निवासी ग्राम मेंण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम मेंण्ड्राखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 4/4, 45, 46, 48/1, 327/2, 794/3, 801/2, 802/1 कुल खसरा नंबर 08 कुल रकबा 0.7320 हे0 भूमि का अनावेदक रूपदेव राजवाडे आ. स्व जगदेव राजवाडे व अन्य, निवासी ग्राम मेंण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्यम खाता विभाजन कराने के संबंध में आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/10/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 09/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर . जिला-सरगुजा (छ0ग0)

पृ0क्र0 9/वाचक/2025
लखनपुर दिनांक 14/10/2025

ईश्तहार

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्रामः-रामपुर,
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका हेमा बाई राजवाडे आ0 स्व. काशी राम निवासी ग्राम रामपुर तहसील लखनपुर के द्वारा अपने माता स्व. बिफईया की मृत्यु दिनांक 15.01.2024 को हो जाने से (जन्म / मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनॉक 30/10/2025 को सूनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 30/10/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा ।

सील
तहसीलदार
लखनपुर,सरगुजा

रजत जयंती महोत्सव अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा 10 से 17 अक्टूबर तक विशेष सप्ताह में विभिन्न गतिविधियों का किया जा रहा है आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

रजत जयंती महोत्सव अंतर्गत आयुष विभाग के द्वारा 10 से 17 अक्टूबर तक विशेष सप्ताह में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उसी क्रम में विकासखंड रामानुजनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामानुजनगर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परशुरामपुर,प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गणेशपुर में डॉक्टर सीमा त्रिपाठी,डॉक्टर आर.के. शुक्ला, डॉक्टर एस. के. त्रिपाठी के द्वारा सियान जतन ओपीडी में सियान जनों का जांच उपचार व सलाह दिया गया। साथ ही सियान जन उनके साथ आए परिजनों का प्रकृति परीक्षण कर प्रकृति बताया गया,आयुर्वेद फार्मासिस्ट अर्चना पांडे, भरत कंवर,प्रमोद कवर के द्वारा आयुर्वेद दवाई उपलब्ध कराई गई। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ एस के त्रिपाठी ने बताया कि प्रकृति परीक्षण एक आयुर्वेदिक विधि है जो व्यक्ति की शारीरिक

और मानसिक प्रकृति (वात पित्त और कफ के संयोजन) को निर्धारित करती है, यह परीक्षण व्यक्ति को अपनी प्रकृति के अनुसार खान पान जीवन शैली और स्वास्थ्य संबंधी सलाह प्रदान करता है, जिससे वह भविष्य में होने वाली बीमारियों से बच सके, यह परीक्षण एक ऐप के माध्यम से भी किया जा सकता है। जिसमें प्रश्नों के उत्तर देने के बाद व्यक्ति को एक क्यू आर कोड और प्रकृति प्रमाण पत्र मिलता है ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अनुलग्नक- अ

कार्य विवरणः बिलासपुर मंडल एसईसी रेलवे के **खरसिया (KHS), अनूपपुर (APR), उमरिया (UMR), शहडोल (SDL) ब्रजराजनगर (BRJN), सक्ती (SKT)** और **बिजुरी (BJRI)** रेलवे स्टेशनों के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस ।

तीन (3) वर्षों की अवधि के लिए बिलासपुर मंडल एसईसी रेलवे के **खरसिया (KHS), अनूपपुर (APR), उमरिया (UMR), शहडोल (SDL) ब्रजराजनगर (BRJN), सक्ती (SKT)** और **बिजुरी (BJRI)** रेलवे स्टेशनों के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए, लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस (1096 दिन, की अवधि के लिए लाइसेंस आबंटन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही **दिनांक 08.10.2025** को आईआरईपीएस वेबसाइट **(https://ireps.gov.in)** पर प्रकाशित किया जा चुका है । विवरण इस प्रकार हैं :

कैटेलॉग क्र.	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
ADVT- SBOARD- 25	Advertising On Station Premises (Digital)	24.10.2025 13:00	ADVT-BSP-KHS-OSD-90-25-1	**खरसिया (KHS)** रेलवे स्टेशन के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए, लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस [1096 दिन] की अवधि के लिए लाइसेंस ।	1096 दिन
			ADVT-BSP-APR-OSD-97-25-1	**अनूपपुर (APR)** रेलवे स्टेशन के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए, लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस [1096 दिन], की अवधि के लिए लाइसेंस ।	
			ADVT-BSP-UMR-OSD-99-25-1	**उमरिया (UMR)** रेलवे स्टेशन के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस [1096 दिन] की अवधि के लिए लाइसेंस ।	
			ADVT-BSP-SDL-OSD-98-25-1	**शहडोल (SDL)** रेलवे स्टेशन के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए, लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस [1096 दिन] की अवधि के लिए लाइसेंस ।	
			ADVT-BSP-BRJN-OSD-93-25-1	**ब्रजराजनगर (BRJN)** रेलवे स्टेशन के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए, लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस [1096 दिन] की अवधि के लिए लाइसेंस ।	
			ADVT-BSP-SKT-OSD-88-25-1	**सक्ती (SKT)** रेलवे स्टेशन के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए, लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस [1096 दिन] की अवधि के लिए लाइसेंस ।	
			ADVT-BSP-BJRI-OSD-100-25-1	**बिजुरी (BRJI)** रेलवे स्टेशन के परिसर के अंदर 48 वर्ग फीट के प्रदर्शन क्षेत्र के साथ 2 डिजिटल स्क्रॉलर बोर्ड में वाणिज्यिक विज्ञापन की स्थापना, रखरखाव और संचालन के लिए लाइसेंसधारी की लागत पर तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस [1096 दिन] की अवधि के लिए लाइसेंस	

सीपीआर/10/381 R.O.No.- 35775

मंडल वाणिज्य प्रबंधक-I
द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

समाज की सशक्तता तभी संभव जब योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे : आर.एस. विश्वकर्मा

अध्यक्ष ने शिक्षा,रोजगार और आत्मनिर्भरता पर दिया जोर,पिछड़ा वर्ग के लिए योजनाओं की हुई गहन समीक्षा

-संवाददाता-
एमसीबी,16 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा आई.ए.एस. (से.नि.) केबिनेट मंत्री (दर्जा) ने कहा कि पिछड़े वर्ग के सामाजिक,आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए सभी विभागों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सशक्त समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में श्री विश्वकर्मा ने विभागवार योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाए।

बैठक में आयोग के सदस्य यशवंत सिंह वर्मा, बलदाऊ राम साहू, हरिशंकर गुप्ता, कलेक्टर डी. राहुल वेंकट, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अध्यक्ष ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर आयोग का गठन किया गया है। देश में जाति जनगणना की शुरुआत वर्ष 1932 में हुई थी और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को मिलाकर आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तय की गई है। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में 95 जातियाँ अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों में 33 प्रतिशत और पंचायतों में 57 प्रतिशत आबादी ओबीसी वर्ग की है,जो समाज की मजबूत उपस्थिति को दर्शाता है। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने छात्रवृत्ति, स्वरोजगार ऋण और शैक्षणिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी, वहीं पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने राज्य अंत्यावसायी सहकारी निगम के माध्यम से दी जा रही ऋण सहायता और मुख्यमंत्री कौशल विकास कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। शिक्षा विभाग ने ओबीसी विद्यार्थियों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, साइकिल,यूनिफॉर्म,छात्रावास एवं प्रधानमंत्री यशस्वी योजना की प्रगति बताई। कौशल विकास विभाग ने पीएम कौशल विकास योजना और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत युवाओं को दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी दी। उद्योग विभाग ने मुद्रा योजना,लघु उद्योग विकास और औद्योगिक प्रोत्साहन कार्यक्रमों में पिछड़ा वर्ग उद्यमियों की भागीदारी पर रिपोर्ट दी। कृषि विभाग ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,बागवानी मिशन,खाद्य सुरक्षा मिशन और एफपीओ योजनाओं से ओबीसी किसानों को मिल रहे लाभों की चर्चा की। महिला एवं बाल विकास विभाग ने तेजस्विनी योजना, पोषण मिशन और महिला स्व-सहायता समूहों की प्रगति साझा की। ग्रामीण विकास विभाग ने मनरेगा,प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की उपलब्धियां बताईं। नगरीय प्रशासन विभाग ने पीएम आवास (शहरी), स्लम विकास और स्वच्छ भारत मिशन के तहत पिछड़ा वर्ग परिवारों को लाभांवित किए जाने का विवरण प्रस्तुत किया। स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान भारत,मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी दी, जबकि श्रम विभाग ने निर्माण कर्मकार कल्याण योजनाओं,मातृत्व सहायता,आवास,मृत्यु अनुदान और छात्रवृत्ति जैसे कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। पंचायत एवं ग्रामीण शासन विभाग ने ओबीसी आरक्षण,ग्राम पंचायत स्तर पर स्वशासन प्रशिक्षण और सामुदायिक भागीदारी के प्रयासों की जानकारी दी। वहीं लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन, पेयजल गुणवत्ता निगरानी और नल कनेक्शन वितरण में ओबीसी हितग्राहियों की सहभागिता पर प्रकाश डाला। मत्स्य पालन विभाग ने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना,तालाब निर्माण सहायता और मत्स्यपालन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पिछड़ा वर्ग मत्स्य पालकों को लाभांवित करने की जानकारी दी। पशुधन विकास विभाग ने राष्ट्रीय पशुधन मिशन,मुख्यमंत्री गौ पालन प्रोत्साहन और बकरी पालन सहायता योजनाओं की समीक्षा की। अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा ने ओबीसी छात्रावास निर्माण प्रस्ताव शीघ्र भेजने, छात्रवृत्ति का लाभ हर पात्र विद्यार्थी तक पहुँचाने और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से अधिक लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जाति प्रमाणपत्र बनाते समय क्रीमी और नॉन क्रीमी लेयर के प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाए। समाज की आर्थिक सशक्तता के लिए सहकारी समितियाँ गठित कर चिन्हित व्यवसायों में सामूहिक कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने युवाओं से तकनीकी शिक्षा अपनाने और सरकारी योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। साथ ही अधिकारियों को गांवों में जाकर जनता से संवाद स्थापित करने और संवेदनशीलता के साथ समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। आयोग सदस्य यशवंत सिंह वर्मा ने जिले की जलवायु के अनुरूप फसलों को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक फलदार वृक्षारोपण का सुझाव दिया। बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार नम्रता डोंगरे, एडीएम लिंगराज सिदार, शशि शेखर मिश्रा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

क्वांटम युग में कोरिया की चमक अंशिका कश्यप बनीं प्रदेश की टॉपर अब करेंगी राष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व

कोरिया जिला फिर हुआ गौरवान्वित

संवाददाता-
कोरिया,16 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

रजत जयंती महोत्सव 2025 के अंतर्गत राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रायपुर एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी 2025 का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता विगत दिनों शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर में संपन्न हुआ। संगोष्ठी का विषय था क्वांटम युग का आगाज- संभावनाएं एवं चुनौतियाँ। इस प्रतियोगिता में सेजेस महल पारा, बैकुंठपुर (जिला कोरिया) की प्रतिभाशाली छात्रा कु. अंशिका कश्यप ने अपने उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्या है क्वांटम युग- इसे श्नई वैज्ञानिक-तकनीकी क्रांतिश् कहा जाता है, क्योंकि इसमें कंप्यूटिंग, संचार व सेंसरिंग जैसी प्रणालियाँ क्वांटम कणों के असामान्य व्यवहार का लाभ उठाकर काम करती हैं। इसे इस तरह से समझ जा सकता है, सिक्के को उछालने पर गिरते ही वह या तो हेड होगा या टेल,लेकिन हवा में घूमते समय वह दोनों स्थितियों में 'एक साथ' रहता है, इसी तरह क्वांटम कण भी एक ही समय में बहुत-सी अवस्थाओं में हो सकते हैं, जिसे सुपरपोजिशन कहते हैं। अंशिका ने यह उपलब्धि भौतिकी विषय की व्याख्याता श्रीमती शिल्पी सिंह के कुशल मार्गदर्शन में हासिल की है। राज्य स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने के साथ ही कु. अंशिका कश्यप को अब राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त होगा। यह उपलब्धि न केवल उनके विद्यालय, बल्कि पूरे कोरिया जिले के लिए गर्व का विषय है। शिक्षाविदों और विज्ञान प्रेमियों ने अंशिका को इस शानदार सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि कोरिया की प्रतिभाओं की क्षमता और परिश्रम का प्रमाण है।

15 नवम्बर से होंगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 9 नवम्बर से पंजीकृत किसानों को जारी होंगे टोकन

अब तक 15 हजार से अधिक किसानों को 50 करोड़ रुपए से अधिक की कृषि ऋण वितरण

संवाददाता-
कोरिया,16 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में आज कलेक्टर चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कृषि, सहकारिता, खाद्य, मार्कफेड तथा नोडल अधिकारियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि यह राज्य सरकार का अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन की प्रक्रिया को अधिक कृषक उन्मुख, दक्ष और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विभागों के बीच समन्वय और प्रशिक्षण आवश्यक है।

इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर' की स्थापना

धान उपार्जन एवं निराकरण प्रक्रिया में संभावित अनियमितताओं को नियंत्रित करने हेतु शासन द्वारा विपणन संघ मुख्यालय स्तर पर 'इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर' की स्थापना की जा रही है। इसके क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर भी कंट्रोल एंड कमांड सेंटर स्थापित किए जाएंगे। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र प्रभारियों और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान के उचित रखरखाव, किसानों की सुविधाओं और पारदर्शिता के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयपूर्व सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार की श्किसानों से एक-एक दाना धान खरीदने की प्रतिबद्धताश् को पूर्ण करने के लिए सभी स्तरों पर संवेदनशीलता और तत्परता अपेक्षित है।

संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी व उड़नदस्ता दल तैनात

जिले के उपार्जन केंद्रों को पूर्व वर्षों के अनुभवों के आधार पर अतिसंवेदनशील, संवेदनशील एवं सामान्य श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। संवेदनशील केंद्रों पर पृथक नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे, जो नियमित निरीक्षण कर रिपोर्ट देंगे। इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से प्राप्त अलर्ट के आधार पर उड़नदस्ता दल तत्काल कार्रवाई करेंगे। सीमावर्ती उपार्जन केंद्रों पर पर्याप्त चेक पोस्ट की स्थापना भी की जा रही है ताकि अवैध धान की आवक को रोका जा सके। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अब-तक 50 करोड़ रुपए का कृषि ऋण वितरण- जिले में 65 करोड़ रुपए कृषि ऋण के विरुद्ध अब-तक 15 हजार 679 किसानों को 50 करोड़ रुपए का कृषि ऋण वितरण किया जा चुका।

21 उपार्जन केंद्रों से 1.37 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य

खरीफ वर्ष 2025-26 में 1 लाख 37 हजार 468 मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। विगत खरीफ वर्ष 2024-25 में पंजीकृत किसानों की संख्या 20 हजार 117 थीं, जिसमे से 19 हजार 606 किसानों ने उपार्जन केंद्रों में धान विक्रय किए थे। मिली जानकारी के मुताबिक 18 हजार 494 किसानों का कैरी फारवर्ड किया गया है। इस वर्ष साख सहकारी समिति सहित 21 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की जाएगी।

टोकन वितरण की प्रक्रिया- धान खरीदी के लिए टोकन आवेदन प्रक्रिया 9 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होगी।

एग्रीस्टेक पोर्टल में 30 अक्टूबर तक किसानों को कराना होगा पंजीयन

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि 30 अक्टूबर 2025 तक धान उपार्जन से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं साथ ही एग्रीस्टेक पोर्टल में जिन किसानों का पंजीयन अब तक नहीं हुआ है, ऐसे किसानों का पंजीयन कराने में त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं ताकि किसानों को उपज का सही दाम मिल सके। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्री सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य,श्री डी.डी. मंडावी सहित कृषि,खाद्य, सहकारिता और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोरिया टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सौंपा टेट,पुरानी व पूर्ण पेंशन एवं क्रमोन्नति का ज्ञापन

संवाददाता-
बैकुंठपुर,16 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रांतीय इकाई के निर्देशानुसार जिला प्रतिनिधि मंडल ने स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री भईया लाल राजवाड़े जिलाधीश कोरिया एवं जिला शिक्षाधिकारी कोरिया को ज्ञापन सौंपा। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बीरेंद्र तिवारी ने बताया कि टेट की अनिवार्यता पर पुनर्विचार याचिका दायर करने,प्रथम नियुक्ति तिथि से पेंशन, 20 वर्ष में पूर्ण पेंशन,क्रमोन्नति का जनरल आर्डर जारी करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री,शिक्षा मंत्री,मुख्य सचिव,शिक्षा सचिव (छत्तीसगढ़ शासन) व संचालक (लोक शिक्षणसंचालनालय रायपुर)के नाम कलेक्टर तथा डीईओ कोरिया को ज्ञापन सौंपा गया। प्रांतीय सह सचिव अशोक कुर्रे ने मांगो के सम्बन्ध में आगे बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 सितम्बर 2025 को पारित निर्णय जिसमें 5 वर्ष अधिक सेवा वाले शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 17 अगस्त 2012 को जारी छत्तीसगढ़ राजपत्र शिक्षक पंचायत संवर्ग भर्ती तथा सेवा की शर्तें नियम 2012 के तहत शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य किया गया है, इसके पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य नहीं था, माननीय सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप/पुनर्विचार याचिका दायर कर 17 अगस्त 2012 के पूर्व नियुक्त सेवारत शिक्षकों के हितों की रक्षा करने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आवश्यक पहल किया जावे। पेंशन निर्धारण हेतु सेवा अवधि की गणना संविलियन दिनांक 1 जुलाई 2018 से करने के कारण 2028 के पूर्व सेवानिवृत होने वाले एल बी संवर्ग के शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है,अतः पूर्व सेवा (प्रथम नियुक्ति) अवधि की गणना करते हुए समस्त शिक्षक एलबी संवर्ग के लिए पुरानी पेंशन निर्धारित किया जावे। भारत सरकार द्वारा 2 सितंबर 2008 को उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 16 सितंबर 2009 को तथा उत्तराखंड सरकार द्वारा 29 अक्टूबर 2010 को आदेश जारी कर 33 वर्ष की अर्हकारी सेवा में पूर्ण पेंशन के स्थान पर 20 वर्ष की अर्हकारी सेवा में पूर्ण पेंशन का प्रावधान किया गया है,सेवानिवृत होने पर छत्तीसगढ़ में 33 वर्ष की अर्हकारी सेवा में पूर्ण पेंशन का नियम है, भारत सरकार, उत्तरप्रदेश एवं उत्तराखंड सरकार के समान 20 वर्ष की अर्हकारी सेवा में पूर्ण पेंशन (अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत) का प्रावधान किया जावे। माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा याचिका क्रमांक डब्लूए/261/2024 में डबल बैंच द्वारा पारित निर्णय दिनांक 28/02/2024 के तहत सभी पात्र एल बी संवर्ग के शिक्षको के लिए क्रमोन्नति/समयमान का जनरल आर्डर जारी किया जावे। ज्ञापन सौंपने हेतु जिला इकाई प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष बीरेंद्र तिवारी, प्रांतीय पदाधिकारी अशोक कुर्रे,जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, जिला सचिव महेश शिवहरे ,जिला पदाधिकारी लीला राम,रत्नेश,उमेश पटेल ईश्वर दयाल सरगुजिया,ब्लॉक अध्यक्ष बैकुंठपुर रूपेश सिंह ब्लॉक अध्यक्ष सोनहत,रमेश गुप्ता, रविन्द्र सिंह,राजू मंडल,अमोद दुबे,संतोष मंडल बिजेंद्र मानिकपुरी,सुजीत गुप्ता,राजेश गुप्ता अवधेश प्रताप सिंह,अली मोहम्मद,अशोक शर्मा बीपी सिंह,मुरली पटेल,योगेन्द्र पटेल,मनोज कोरी अनिल द्विवेदी,शशि प्रकाश जायसवाल,दिनेश जायसवाल, आश्रित तिर्की,ओमप्रकाश,राकेश सिंह, अंजुलेश टोप्पो,अविनाश उपाध्याय सहित जिला मिडिया प्रभारी चेतनारायण कश्यप राजकुमार पाल एवं पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

नान घोटाले में रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा को जमानत

रायपुर,16 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित नान घोटाले मामले में रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला और आईएएस अनिल टुटेजा को रायपुर की विशेष कोर्ट ने जमानत दे दी है। हालांकि, जमानत मिलने के बाद भी अनिल टुटेजा शराब घोटाले के सिलसिले में ईओडब्ल्यू की हिरासत में रहेंगे। सूत्रों के अनुसार,दोनों आरोपी 22 सितंबर को ईडी कोर्ट में सरेंडर किए थे। इसके बाद उन्हें चार सप्ताह के लिए दिल्ली ईडी की कस्टोडियल रिमांड पर रखा गया। अदालत ने उनकी कस्टोडियल रिमांड 16 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। आज रिमांड पूरी होने पर उन्हें रायपुर ईडी विशेष कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने जमानत मंजूर की।

नान घोटाले का विस्तृत विवरण

नान घोटाला फरवरी 2015 में सामने आया था। उस समय एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी)/ईओडब्ल्यू ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रभावी संचालन के लिए जिम्मेदार नोडल एजेंसी नागरिक आपूर्ति निगम के 25 परिसरों पर एक साथ छापे मारे थे। छापे के दौरान कुल 3.64 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए थे। इसके अलावा, एकत्र किए गए चावल और नमक के नमूनों की गुणवत्ता की जांच की गई,जो घटिया और मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए। आरोप था कि राइस मिलों से लाखों क्विंटल घटिया चावल खरीदे गए और इसके बदले करोड़ों रुपए की रिश्वत ली गई। इसके साथ ही चावल के भंडारण और परिवहन में भी भ्रष्टाचार किया गया।

प्रारंभिक आरोपियों में शामिल थे कई अधिकारी

शुरुआत में इस मामले में शिव शंकर भट्ट सहित कुल 27 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। बाद में निगम के तत्कालीन अध्यक्ष और एमडी का नाम भी आरोपियों की सूची में शामिल किया गया। इस घोटाले में दो आईएएस अफसर भी आरोपी हैं,जिनमें रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला और आईएएस अनिल टुटेजा शामिल हैं। जमानत मिलने के बावजूद अनिल टुटेजा को जेल नहीं छोड़ा जाएगा,क्योंकि उन पर शराब घोटाले में भी आरोप हैं। ईओडब्ल्यू इस मामले में उनकी हिरासत में रखेगी और जांच पूरी होने तक उन्हें कोर्ट के निर्देशानुसार ही रखा जाएगा।

अदालत में मामला अब भी चल रहा है

विशेष कोर्ट में नान घोटाले की सुनवाई अभी जारी है। जमानत मिलने के बावजूद दोनों अफसरों पर आरोपों की गंभीरता बनी हुई है और अदालत आगामी तारीखों पर पूरे मामले की सुनवाई करेगी। नान घोटाला छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े मामलों में से एक है। इस मामले के उजागर होने से यह स्पष्ट हुआ कि सरकारी एजेंसियों में भी बड़े पैमाने पर रिश्वत और कुप्रबंधन हुआ। नान घोटाले में दोषियों की पहचान और उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से दंडित करना राज्य के लिए बड़ा संदेश है। यह घोटाला यह दिखाता है कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और निगरानी की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ सरकार और ईडी की संयुक्त कार्रवाई ने इस मामले को कोर्ट तक पहुंचाया, जिससे न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से दोषियों को कानून के कटघरे में लाना संभव हुआ।

उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ हुए नक्सल मुक्त:सीएम साय

रायपुर,16 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ का नक्सलमुक्त होना यह प्रमाण है कि अब बस्तर भय नहीं,बल्कि विश्वास और विकास की नई पहचान बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भारत आज नक्सलवाद के अंत की दहलीज़ पर खड़ा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बीते दो दिनों में 258 नक्सलियों का आत्मसमर्पण इस बात का प्रतीक है कि बंदूक नहीं, बल्कि विश्वास की शक्ति जीत रही है। उन्होंने कहा कि बीते 22 महीनों में छत्तीसगढ़ में 477 नक्सली मारे गए,2110 ने आत्मसमर्पण किया और 1785 गिरफ्तार हुए – यह आँकड़े हमारे राज्य को नक्सलमुक्त बनाने के अडिग संकल्प के साक्षी हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाने का लक्ष्य अब बहुत निकट है। यह परिवर्तन राज्य सरकार की नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 तथा नियद नेल्ला नार योजना की सफलता का प्रत्यक्ष परिणाम है। डबल इंजन सरकार की संवेदनशील नीतियों,बस्तर में लगातार स्थापित हो रहे सुरक्षा शिविरों और वनांचलों में शासन के प्रति बढ़ते विश्वास ने इस सकारात्मक परिवर्तन को संभव बनाया है। उन्होंने कहा कि अब तक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 64 नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे न केवल सुरक्षा सुदृढ़ हुई है,बल्कि विकास और विश्वास की किरण

भी हर गांव तक पहुँची है। मुख्यमंत्री साय ने हमारे वीर सुरक्षाबलों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनके समर्पण से ही आज बस्तर भयमुक्त हुआ है और शांति की राह पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर नक्सल आतंक से पूर्णतः मुक्त हो चुके हैं,जबकि दक्षिण बस्तर में यह लड़ाई अपने निर्णायक चरण में है। नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं ने बस्तर में संवाद,विकास और संवेदना की नई धरती तैयार की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की नीति दो टूक है। हिंसा का कोई स्थान नहीं। जो नक्सली शांति और विकास का मार्ग चुनना चाहते हैं,उनका स्वागत है। लेकिन जो बंदूक उठाकर समाज में आतंक फैलाने की कोशिश करेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी के दौरे की तैयारियां तेज,नई विधानसभा भवन का करेंगे लोकार्पण

रायपुर,16 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। 1 नवंबर को पीएम मोदी राज्योत्सव स्थल, नया रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर वे प्रदेश को कई बड़ी सौगातें देंगे, जिनमें नई विधानसभा भवन का लोकार्पण प्रमुख रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे को लेकर प्रशासन और भाजपा संगठन ने पूरी ताकत झोंक दी है। बताया जा रहा है कि उनके कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस और विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है। कार्यक्रम स्थल से लेकर हवाई अड्डे तक का रूट प्लान तैयार कर लिया गया है। सभी विभागों को उनके जिम्मे की तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार,प्रधानमंत्री मोदी अपने प्रवास के दौरान पांच प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इनमें छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन का लोकार्पण,शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय का उद्घाटन और राज्योत्सव समारोह का शुभारंभ प्रमुख रहेगा। इसके साथ ही वे प्रदेश में केंद्र सरकार की कई विकास योजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने बताया कि प्रधानमंत्री का यह दौरा छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। पार्टी कार्यकर्ताओं में इसे लेकर भारी उत्साह है। राजधानी रायपुर और नया रायपुर क्षेत्र में सजावट और साफ-सफाई के विशेष निर्देश दिए गए हैं। जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं।

रायपुर में कोतवाली इलाके से 5 सटोरिए गिरफ्तार

रायपुर,16 अक्टूबर 2025। रायपुर में पुलिस ने सट्टा खेलते हुए 5 लोगों को पकड़ा है। ये सभी आरोपी मोहल्ले के भीतर गली में अंकों पर दांव लगाकर सट्टा खेल रहे थे। पुलिस को इस बात की भनक लग गई। इसके बाद रेड मारकर आरोपियों की घेराबंदी करके इन्हें पकड़ लिया गया। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, कोतवाली पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि गांधी नगर स्थित शिव बजरंग मंदिर के पास गली में कुछ युवक मौजूद हैं। जो अंकों पर दांव लगाकर सट्टा खेल रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों को घेर लिया। चेकिंग में आरोपियों के पास से 6 हजार कैश और सट्टा पट्टी जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ जुआ प्रतिषेध एक्ट-2022 के तहत कार्रवाई की गई है।

हाईकोर्ट ने की नक्सली एनकाउंटर मामले में याचिका खारिज

बिलासपुर,16 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से नक्सली एनकाउंटर मामले में राज्य शासन को बड़ी राहत मिली है। मृतक नक्सली के बेटे की ओर से दायर फर्जी एनकाउंटर याचिका को खारिज कर दिया गया है। यह फैसला चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने सुनाया है। जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर जिले में 23 सितंबर 2025 को एनकाउंटर हुआ था। इस मुठभेड़ में रामचंद्र रेड्डी मारा गया था। रामचंद्र रेड्डी के बेटे ने इसे पुलिस कस्टडी में की गई हत्या बताते हुए सीबीआई या स्ढ्ढञ्ज जांच और मुआवजे की मांग की थी और हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

डिवीजन बेंच ने सुरक्षित फैसला सुनाया

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने एक दिन पहले सुरक्षित रखे गए फैसले को सुनाते हुए कहा कि शासन के तर्क और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की प्रक्रिया पूरी तरह उचित है। कोर्ट ने शासन के जवाब को संतोषजनक मानते हुए याचिका को खारिज कर दिया है और कहा कि इस मामले में अलग से किसी जांच या मुआवजे की आवश्यकता नहीं है।

एक करोड़ का इनामी नक्सली था मारकर

बता दें कि इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो कथित नक्सलियों को ढेर कर दिया था। मौके से 303 राइफल, अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई थीं। सुरक्षाबलों के अनुसार,इस कार्रवाई में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) का वरिष्ठ नेता और केंद्रीय समिति सदस्य मोडेम बालकृष्ण उर्फ भास्कर भी शामिल था, जिस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था।

छत्तीसगढ़ में रूपेश समेत 140 नक्सलियों ने किया सरेंडर

शाह बोले-2 दिनों में 258 ने छोड़ी हिंसा,अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर नक्सल मुक्त

जगदलपुर,16 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सली प्रवक्ता रूपेश समेत 140 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। सेंट्रल कमेटी मेंबर सतीश उर्फ टी वासुदेव राव उर्फ रूपेश माड़ डिवीजन और इंद्रावती एरिया कमेटी इलाके में एक्टिव था। राव पर 1 करोड़ रुपए का इनाम था, जबकि अन्य पर 5 लाख से 25 लाख तक का इनाम था। एके-47,इंसास राइफलें, SLR और 303 राइफलें बरामद की गई है। सभी हथियार के साथ इंद्रावती नदी के उसपरी घाट पहुंचे। यहां से उन्हें बोट के जरिए बीजापुर पुलिस के पास लाया गया है। इस पूरे इलाके में पुलिस बल को तैनात किया गया है। प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा जगदलपुर पहुंच गए हैं। कल शुक्रवार को

सीएम विष्णुदेव साय के समक्ष सभी नक्सली आधिकारिक तौर पर सरेंडर करेंगे। रूपेश नक्सलियों का प्रवक्ता था। आत्मसमर्पण करने वालों में 10 सीनियर नक्सली शामिल हैं। इनमें रनिता, भास्कर (पीएल 32),नीला उर्फ नंदे (डीवीसीएम, आईसी और नेलनार एरिया कमेटी की सचिव) और दीपक पालो (आईसी और इंद्रावती एरिया कमेटी सचिव) शामिल हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और नॉर्थ बस्तर को आज नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्त घोषित कर दिया गया है। अब छिटपुट नक्सली केवल साउथ बस्तर में बचे हुए हैं, जिन्हें हमारे सुरक्षा बल जल्द ही समाप्त कर देंगे। 2 दिनों में 258 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। अमित शाह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। 1785 को गिरफ्तार किया गया है और 477 को न्यूट्रलाइज किया गया है। यह 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के हमारे दृढ़ संकल्प का प्रतिबिम्ब है।

2 दिनों में 258 नक्सलियों ने हथियार डाले

इसके साथ ही शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गुरुवार को 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। कल 27 ने हथियार डाले थे। महाराष्ट्र में भी कल 61 नक्सली हथियार त्याग कर मुख्यधारा में लौटे। पिछले 2 दिनों में कुल 258 वामपंथी उग्रवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है।

24 अवैध कबाड़ियों पर कार्रवाई,20 लाख का कबाड़ जब्त

बिलासपुर में नगर निगम और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 4 दुकानें ध्वस्त,14 सील

बिलासपुर,16 अक्टूबर 2025। बिलासपुर में नगर निगम और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 24 अवैध कबाड़ियों से 20 लाख रुपए से अधिक का कबाड़ जब्त किया है। इस अभियान के तहत चार अवैध दुकानों को ध्वस्त किया गया और 14 दुकानों को सील कर दिया गया। यह कार्रवाई गुरुवार को कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर की गई। जिससे अवैध कबाड़ियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने बताया कि यह संयुक्त अभियान मोपका, चांटीडीह, बिजौर,अशोक नगर, रपटा और बहतराई जैसे क्षेत्रों में केंद्रित रहा। कार्रवाई के लिए नगर निगम ने 8 काऊ कैचर,10 बुलडोजर और अन्य संसाधनों का उपयोग किया। निगम कमिश्नर अमित कुमार के निर्देश पर विभिन्न क्षेत्रों के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं।

अवैध कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

नगर निगम के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर की गई,जो सफल रही। उन्होंने जोर देकर कहा कि अवैध कबाड़ का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और यह संयुक्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कबाड़ियों के खिलाफ की गई कार्रवाई

जिन कबाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। उनमें संतोष रजक,संदीप मिश्रा, रमाकांत मिश्रा,ताज कबाड़ी,भागवत साहू, सुभाष साहू,भुवन तिवारी, सुनील साहू,लल्ला खरपाली,शिव कबाड़ी,राज साहू और हेमंत साहू की दुकानें शामिल हैं। निगम प्रशासन के अनुसार,इन अवैध कबाड़ियों को पहले भी नोटिस जारी किए गए थे।

चांटीडीह में 40 हाइवा कबाड़ जब्त

निगम और पुलिस के संयुक्त अमले ने सबसे बड़ी कार्रवाई बम्हर मंदिर चांटीडीह में संतोष रजक के यहां की। जहां से अब तक 40 हाइवा प्लास्टिक कबाड़ जब्त किया जा चुका है। सब इंजीनियर जुगल सिंह ने बताया कि संतोष रजक बिना लाइसेंस के चांटीडीह में खसरा नंबर 412-2 की 30 डिसमिल जमीन 42 हजार रुपए महीना किराए पर लेकर सालों से अवैध कबाड़ का गोरखधंधा कर रहा था। कबाड़ी के खिलाफ लोगों का रास्ता बंद करने, नाले को पाटने की भी शिकायतें मिली हैं। आधिकारिक जानकारी में बताया गया कि सुबह से शाम तक चली कार्रवाई के दौरान 24 अवैध दुकानों में से 4 दुकानों को बुलडोजर से ढहा दिया गया। वहीं 2 दुकानों को सील किया तथा 18 दुकानों से सामान जब्त करते सीलिंग की कार्रवाई की गई है।

कांकेर में बस-ट्रक की टक्कर,14 घायल

सड़क किनारे खड़ा था पंचर ट्रक,अंधेरे में नहीं दिखा,सुकमा से रायपुर आ रही थी बस

कांकेर,16 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक यात्री बस ट्रक से टकरा गई, हादसे में 14 लोग घायल हुए है। नेशनल हाईवे 30 पर जंगलवार कॉलेज के पास सड़क किनारे एक पंचर ट्रक खड़ा था, अंधेरा होने के कारण बस ड्राइवर देख नहीं पाया और टक्कर मार दी।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। संजीवनी 108 और हाईवे पेट्रोलिंग की मदद से सभी घायलों को कांकेर के जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें बस ड्राइवर और उनकी बहन को ज्यादा चोट आई है जिन्हें रायपुर रेफर कर दिया गया है। बस सुकमा से रायपुर आ रही थी। सुकमा से रायपुर जा रही महिंद्रा ट्रेवल्स की यात्री बस (CG 04 PD 9799) सड़क किनारे खड़े एक पंचर ट्रक (CG 21 F 9863) से टकरा गई। इस

घटना में बस चालक अमित सिंह निर्मलकर,उनकी बहन पल्लवी निर्मलकर और 12 यात्रियों सहित कुल 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद, बस ड्राइवर अमित सिंह निर्मलकर और उनकी बहन पल्लवी निर्मलकर को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया है। बस ड्राइवर अमित सिंह निर्मलकर ने बताया कि ट्रक के पीछे तिरपाल बंधा होने के कारण रेडियम पट्टी ढक गई थी,जिससे अंधेरे में ट्रक दिखाई नहीं दिया। जब बस की हेडलाइट से ट्रक अचानक नजर आया, तब तक गति नियंत्रित करना संभव नहीं था।

हाईकोर्ट ने कहा-सड़क पर मवेशी तो टोल टैक्स नहीं वसूला जाए

रायपुर,16 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में नेशनल हाईवे और अन्य सड़कों पर मवेशियों के जमावड़े और बढ़ते सड़क हादसों को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जनहित याचिका के साथ एक हस्तक्षेप याचिका भी दायर की गई, जिसमें बिलासपुर से जांजगीर तक एनएचएआई की सड़कों पर मवेशियों की तस्वीरें और उनकी सुरक्षा में विफलता को उजागर किया गया। याचिका में यह तर्क दिया गया कि अगर एनएचएआई नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है,तो टोल वसूलना अनुचित है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु ने सुनवाई के दौरान कहा कि सड़क पर मवेशियों की समस्या के लिए सिर्फ प्रशासन ही जिम्मेदार नहीं है,आम लोग भी बराबर जिम्मेदार हैं। साथ ही राज्य सरकार से नए मुख्य सचिव की जॉइनिंग का हवाला देते हुए दो सप्ताह में शपथपत्र के साथ रोड मैप पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। बिलासपुर के कलेक्टर ने शपथपत्र पेश कर जुलाई से सितंबर तक हुए सड़क

हादसों के आंकड़े साझा किए। 14 जुलाई को कोटा के ग्राम बारीडीह में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से 13 गायों की मौत और 4 घायल हुईं। 28 जुलाई को बिल्हा ब्लॉक में एक अज्ञात वाहन ने 19 गायों को कुचला, जिनमें से 18 की मौत हुई। वहीं 17 सितंबर को गतौरा के पास एनएच-130 पर 8 मवेशियों की मौत हुई। इन घटनाओं में चालकों और मवेशी मालिकों के खिलाफ भी केस दर्ज किए गए। सड़कों पर मवेशियों के जमाव के संवेदनशील स्थानों पर सोलर लाइट लगाई जा रही है। दरीघाट और ढेका में इंस्टॉलेशन पूरा हो चुका है। साथ ही इंडिकेटर बोर्ड लगाए जा रहे हैं और ग्राम सभाओं में आवारा पशु प्रबंधन को अनिवार्य एजेंडा बनाया गया है।

रायपुर सेंट्रल जेल से हिस्ट्रीशीटर राजा बैजड़ का वीडियो वायरल,मचा हड़कंप

रायपुर,16 अक्टूबर 2025। राजधानी की सेंट्रल जेल एक बार फिर सुर्खियों में है। रायपुर सेंट्रल जेल की बैरक नंबर-15 से सामने आए एक नए वीडियो ने पूरे जेल तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह वीडियो न केवल जेल की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलता है,बल्कि इस बात का भी प्रमाण बन गया है कि जेल के भीतर अपराधियों का दबदबा और नेटवर्क किस हद तक सक्रिय है। रायपुर सेंट्रल जेल से सामने आया यह वीडियो छत्तीसगढ़ के जेल प्रशासन के लिए एक बड़ा सबक है। वैसे भी सेंट्रल जेल पूरे रायपुर में चर्चा का विषय और चर्चित है कि रायपुर सेंट्रल जेल में पैसा दो तो सारी सुविधा उपलब्ध है सिर्फ़ इस बात के लिए ही सेंट्रल जेल रायपुर का हमेशा देश में सुर्खियों में नाम आता है। सेंट्रल जेल में पैसा देने से लड़की छोड़ सभी प्रकार की सुविधा जेल प्रशासन उपलब्ध कराता है। इसका पुख्ता प्रमाण समय-समय पर क़ैदी जेल से सजा काटकर बाहर निकलते हैं। वे संवाददाताओं के सामने वीडियो के सामने

प्रकट करते हुए पाए गए है। जेल में पैसा देने से तड़के वाला खाना, गांजा,सट्टा,जुआ, बीड़ी,सिगरेट, तम्बाकू,गुटका, मोबाइल जैसे सभी चीज़ों को उपयोग करने दिया जाता है। सभी प्रकार के मनोरंजन की वस्तु आसानी से उपलब्ध हो जाती है। आज जिस केदी के पास पैसा नहीं है और केदी ने पैसे को अंदर तक बराबर नहीं पहुंचाया उसको एक मिर्ची और एक प्याज़ भी नहीं दिया जाता है। साधारण कैदियों को उबली हुई दाल और बिना नमक मिर्च की सब्ज़ी,पतली चाय बिना दूध वाली दी जाती है। जबकि जेल मैनुअल के हिसाब से खाने का भी मेन्यू संतुलित आहार पौष्टिक आहार और स्वादिष्ट देने का आदेश है। लेकिन रंगबाज़-तीरंदाज़ माफ़िया और पैसे वाले क़ैदी को ही यह सुविधा मिलती है। ये जानकारी समय-समय पर जेल से बाहर आने वाले क़ैदी मीडिया को अपना नाम नहीं बताने की शर्त में बताते है। लेकिन बड़े अधिकारियों की जांच के बाद सब लीपापोती करते है। जेल के अधिकारियों ने जेल को साफ़ सुथरा और आदर्श जेल के रूप में बताया है लेकिन जांच करने वाले अधिकारी भी अपना पल्ला झाड़ लेते हैं और जो व्यवस्था और सिस्टम बना हुआ है उसके विपरीत अपनी जाँच रिपोर्ट नहीं देते।

जब राजधानी की जेल में कैदी इस तरह खुलेआम मोबाइल चला रहे हों, तो राज्य की अन्य जेलों की स्थिति का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं। यह घटना न केवल जेल सुरक्षा की विफलता है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि अपराधी अब जेल के अंदर भी अपनी ताकत का प्रदर्शन करने लगे हैं। अब देखना यह होगा कि शासन इस बार इस शर्मनाक चूक पर कितनी गंभीरता दिखाता है और क्या वास्तव में जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है या मामला फिर किसी और विवाद में दबकर रह जाएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)